U.S. TROOPS
GET OUT OF
VIETNAM
YOUTH AGAINST
WAR & FASCISM
VIETNAM
HARLEM

एक शब्द

बंगला तथा अंग्रेजी के सुप्रसिद्ध नाटककार, निर्देशक तथा अभिनेता उत्पल दत्त का यह नाटक 'अजेय वियतनाम' उनके अन्य नाटकों की ही तरह एक जीवन्त, व्यापक तथा विषम स्थिति को मच पर प्रस्तुत करने का कलात्मक प्रयास है। उत्पल दत्त के लिए मंच एक शक्तिमान संवेदनशील सजीवता का सचेत माध्यम है, जिसके द्वारा वे दर्शकों को एक स्थिति-विशेष का गहन बोध कराते हैं। यही वे अपने उन समकालीन अन्य बंगला नाटककारों, शम्भु मित्र, बादल सरकार आदि से भिन्न है, जो कि मंच को रूप, टेकनीक तथा कलाबाजी का चमत्कार दिखाने का एक माध्यम-भर समझते हैं। यही भिन्नता जहां उत्पल दत्त के मंच की वस्तु तथा रूप को सम्पन्नता, सजीवता तथा मौलिकता प्रदान करती है, वहीं अन्य नाटककारों को अपनी वस्तु तथा रूप के लिए पश्चिम के तथाकथित आधुनिक मंच का मुह ताकना पड़ता है और वे अपना सारा जोर प्रस्तुतीकरण पर ही लगाकर नकल को असल प्रदर्शित करने में मच को एक यन्त्र-मात्र बना देते हैं।

'अजेय वियतनाम' में मंच का एक विराट आयोजन है। पचासों पात्र, बच्चे से लगाकर बूढे तक, डाक्टर से लगाकर किसान-मजदूर तक, जनरल से लगाकर सैनिक तक। बीसियों वैज्ञानिक उपकरण, सायकिल से लगाकर बममार तक, बन्दूक से लगाकर मशीनगन तक, फ्लैश लाइट

से लगाकर बिजली के शॉक-यन्त्र तक, वाकी-टाकी से लगाकर रेडियो-ट्रांसमीटर तक। मंच का बाहर से विस्तृत अन्तर्सम्बन्ध तथा इन दोनों का व्यापक एकीकरण, किसी नायक का न होना, बल्कि स्वयं स्थिति-विशेष का ही नायक होना। प्रत्येक पात्र की अपनी स्वतन्त्र, किन्तु स्थिति-विशेष की प्रभावकारिता के लिए समन्वित भूमिका, इसी तरह के और अन्य तत्त्व 'अजेय वियतनाम' के मंच को एक असामान्य किन्तु यथार्थ आभास प्रदान करते हैं। इसी कारण शौकिया रंगकर्मी तो इस नाटक को छूने का साहस भी नहीं कर सकते। ऐसा होने का एक कारण और है, और वही शायद सबसे बड़ा है।

ऊपर कहा गया है कि उत्पल दत्त मंच को सचेत माध्यम मानते हैं। इस मान्यता के अन्तर्गत ही उन्होंने अपने सभी नाटक प्रस्तुत किए हैं। एक राजनीतिक चेतना की लहर उनके नाटकों में सतत प्रवाहित है। यह चेतना उनके नाटकों में कूट-कूटकर भरी रहती है और यही उनके नाटकों तथा मंच की प्राण होती है। यहां हर वस्तु दो में विभाजित है और दोनों के परस्पर-संघर्ष से उत्पन्न स्थिति ही नाटक का विषय बनती है। यहां नाटककार वस्तु-स्थिति का पूरी ईमानदारी से निर्वाह करते हुए भी उसका कोई तटस्थ दर्शक नहीं है, वह खुलकर एक पक्ष का साथ देता है, जालिमों के विरुद्ध मजलूमों का। किन्तु यहां कोई यान्त्रिकता नहीं है, एक सहज, सामान्य, कलात्मक चित्रण से ही उसकी पक्षधरता उद्भूत होती है। यहां जालिम और मजलूम दोनों ही अपनी-अपनी भूमिकाएं अपने-अपने स्वभाव तथा व्यवहार के अनुकूल अपनी-अपनी सम्पूर्ण शक्ति से अदा करते हैं तथा उनकी भूमिकाओं से ही दर्शकों के समक्ष उनकी अपनी-अपनी सच्चाइयां स्पष्ट हो जाती हैं। यही राजनीतिक चेतना का वर्ग-रूप है, जो जालिम, मजलूम, दोनों वर्गों की अलग-अलग राजनीतिक चेतना के सम्यक् ज्ञान और अनुभव से उत्पन्न होती है। जो रंगकर्मी उत्पल दत्त की वर्ग-चेतना से लैस नहीं हैं, वे उत्पल दत्त के नाटकों को छूने का साहस नहीं कर सकते और अनजान में अगर वे उन्हें हाथ में लेते हैं, तो यह निश्चित है कि वे उनके साथ न्याय नहीं कर सकते। 'अजेय वियतनाम'

एक ऐसा नाटक है, जो कृत्रिम अभिनय को रचमात्र भी नहीं सँभाल सकता। यह 'नाटकीय प्रभाव' उत्पन्न करने के लिए खेला जाने वाला नाटक नहीं है, यह जीवन की एक विशेष स्थिति को पूरी चेतना के साथ, सहज ढग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करने वाला नाटक है।

—भैरवप्रसाद गुप्त

पात्र-परिचय

पुरुष-पात्र :

1. डॉ० वान विन्ह—गाव के अस्पताल का डॉक्टर, प्रौढ़ आयु
2. डॉ० ली ची—डॉ० विन्ह का युवक सहयोगी
3. दूयेत—कास्त्रो गोरिल्ला दस्ते का युवक अफ़सर
4. मूआन—कास्त्रो गोरिल्ला दस्ते का युवक अफ़सर
5. ध्वान—एक वियतनामी युवक किसान
6. व्रान दुआइ—एक वियतनामी युवक किसान
7. खोएन—एक वियतनामी युवक किसान
8. ताम—एक वियतनामी युवक किसान
9. अन्थोनी फिट्ज काउल्टन—अमरीकी जनरल, प्रौढ आयु
10. अल्बर्ट इ. फिन्ने—अमरीकी जनरल लेफ्टिनेंट कर्नल, युवक
11. मार्क व्हीलर—अमरीकी लेफ्टीनेंट कर्नल, युवक
12. कोलिन एस. नाइट—अमरीकी लेफ्टिनेंट कर्नल, युवक
13. पीटर काफमैन—अमरीकी कप्तान, युवक
14. ट्रेवर—अमरीकी सार्जेण्ट, युवक
15. निग्रो—रेडियो चालक, युवक

अमरीकी भौसिनक, चौकीदार, नौकर, बच्चे, ग्रामवासी आदि।

नारी-पात्र :

1. मैडम लान हू—वियतनामी युवती, कास्त्रो गोरिल्ला सेना की सेनापति, ता थी कीऊ, मू ओई, मैंक तथा तैंक गुप्त नामों से काम करने वाली ।
2 श्रीमती एक्सुयेन किम—ग्राम पाठशाला की 70 वर्षीया अध्यापिका ।
3. नगुएन थी माओ—डॉ० विन्ह की युवती नर्स ।
4. वूई थी सू—ग्राम पाठशाला की युवती अध्यापिका ।
5. पूपू—श्रीमती किम की 5 वर्षीया पोती ।

अजेय प्रियतमा

अंक : एक

[सायगान से उत्तर-पश्चिम बत्तीस किलोमीटर दूर मार्ग, संख्या एक पर अमरीकी अधिकृत क़स्बा कूची है। लेफ्टिनेंट जनरल फिट्ज़ फाउल्टन अपने कार्यालय में बैठा है, उसके कपड़े लियड़े हुए हैं और वह, लगता है, कई दिनों से सोया नहीं है, उसका चेहरा पीला पड़ा हुआ है। उसके पीछे दीवार पर दक्षिण वियतनाम का एक बड़ा नक़्शा लटका हुआ है। जनरल कुछ क्षणों के लिए बड़ी तेज़ी से कुछ लिखता है और फिर अपनी छोटी मेज की दराज से बोतल निकालकर अपने मुंह में काफ़ी ढरका लेता है। फिर टिकिया गटकता है और फिर पीता है। उसके बाद कुछ क्षणों के लिए वह अपना सिर अपने हाथों में टेककर बैठा रहता है। खिड़कियां बालू-भरे बोरों से ढँकी हुई हैं, जिसके कारण कमरे मे बड़ा गर्मी है। जनरल, लगता है, कुछ सोच रहा है। फिर वह अन्तः-संचार-यंत्र में बोलता है।]

जनरल : सेल्मा, अगले दल को मेरे पास भेजो, और देखो कि मेरे कमरे के आस-पास कोई टोह न ले। और हां, तुमने मैडम लान हू को अभी जलपान दिया कि नहीं ?

सेल्मा की आवाज : दिया था, जनरल, लेकिन उन्होंने सिर्फ एक प्याली काफ़ी ली है।

जनरल : क्या कहती हो ? तुमने उन्हें हाट-डाग दिया था क्या ?

सेल्मा की आवाज़ : जी श्रीमान, दिया था, मैंने तो डेनमार्क की नीली पनीर भी दी थी, लेकिन उन्होंने उसकी तरफ़ देखा भी नहीं।

जनरल : अच्छा, जाओ, उनकी देख-भाल करो। वह हमारी सर्वाधिक मूल्यवान उपलब्धि है। हम उन्हें अपनी आखों के सामने ही भूखों नहीं मरने देंगे। और सुनो ! जब मैं कहूं, तुम उन्हें मेरे पास भेजना। अच्छा, अब तीसरे दल को मेरे कमरे में भेजो।

सेल्मा की आवाज़ : बहुत अच्छा, जनरल !

[जैसे ही जनरल को अपनी झोपड़ी के बाहर सहन से तीसरे दल के आने की खटपट सुनायी पड़ती है, वह गहरे चिन्तन की मुद्रा बनाकर नक्शे के सामने जा खड़ा होता है, वह अब कुछ हिटलर के रूप में और कुछ नेपोलियन के रूप में दिखायी देता है, गोकि अभी-अभी पीने के कारण उसकी टांगें कुछ अस्थिर दिखाई देती हैं। नक्शा एक सचित्र इतिहास-पुस्तक की तरह है। तीसरे दल के चार अफसर अन्दर आते हैं। वे भी थके हुए और पीले-पीले दिखायी देते हैं। वे एक ही तरह के बैग, एक ही तरह से अपने-अपने दाहिने हाथ में लिए हुए हैं। हर अफसर जनरल की आज्ञा की प्रतीक्षा करता है। वे आपस में एक-दूसरे की ओर विस्मित हो-होकर देखते हैं। आखिर जनरल जैसे अपने चिन्तन से जागता है।]

जनरल : क्षमा करें, सज्जनो ! इस समय मैं वहां था (नक्शे की ओर संकेत करके) जहां युद्ध चल रहा है। आप लोग बैठ जाएं। मैं अन्थोनी फिट्ज़-काउल्टन हूं- लूटिनेंट-जनरल, आठवां सैन्य दल।

चारों : (एक-एक कर) श्रीमान् ! मैं हूं अलवर्ट इ० फिन्ने, लेफ्टिनेंट
अफसर   कर्नल, प्रथम चलायमान घुड़सवार ।

: श्रीमान् ! मैं हूं मार्क ह्वीलर, लेफ्टिनेंट कर्नल, द्वितीय समुद्री पलटन, तीसरा दस्ता ।

: श्रीमान् ! मैं हू कोलिन एस० नाइट, छोटा कप्तान, टैंक-युक्त उपसेना, संख्या दो ।

: श्रीमान् ! मैं हूं पीटर काफ़मैन, कप्तान, बाईसवा अश्वारोही सैन्य-दल ।

[सब बैठते हैं ।]

जनरल : मुझे मालूम है कि आप लोग थके हुए हैं । सायगान से हेलीकाप्टर पर नौ घण्टे···सिर्फ बत्तीस किलोमीटर । मुझे मालूम है कि यह यात्रा समुद्र से होकर क्यों करना पड़ती है ?

फिन्ने : वर्ना पीले शैतान हेलीकाप्टरों को बन्दूकों से मारकर गिरा दें ।

[हलकी हंसी]

जनरल . बिलकुल यही बात है ! लेकिन आप लोग जो कार्यवाही करने जा रहे हैं, उसमें आप लोगों को अपनी पूरी शक्ति लगानी पड़ेगी । यह कहने से काम न चलेगा कि आप लोग थके हुए हैं । अपने कागजों से मुझे मालूम होता है कि समुद्री सेना के अफसर ह्वीलर वियतनाम में नये-नये आये हैं । इससे मुझे घबराहट हो रही है, क्योंकि इस कार्यवाही में इनके दस्ते को ही निर्णायक भूमिका अदा करनी है । कर्नल ह्वीलर ! जरा आप नक्शे पर एक नजर तो डालें, आपको क्या लगता है ?

[नक्शा पूरा-का-पूरा लाल है, जिसमें कहीं-कहीं छोटी छोटी, नीली-नीली पट्टियां और बिन्दुएं हैं ।]

ह्वीलर : लगता है कि वीतकांगों की अच्छी तरह पिटाई हुई है ।

[हंसी]

जनरल : आपको "सान डियेगो" से सीधे वियतनाम भेजा गया है, है न ? कर्नल ह्वीलर ! अगर आपको यहां की लड़ाई में बिना

चोट खाये लड़ना है, तो आपको सबसे पहले अपने दिमाग से उन खयालों को निकाल देना पड़ेगा, जिन्हें आपने अपने घर पर अखबारों मे इस लड़ाई के विषय में पढ़कर बना रखा है। नक्शे में लाल क्षेत्र उनका है, हमारा नहीं। क्या आप यहां-वहां बिखरी हुई नीली बिन्दुओं को देखते हैं, जो मनहट्टन मार्ग पर श्वेतों की अपार भीड़ में चन्द निग्रो लोगों की तरह दिखायी देती हैं ? यही बिन्दुएं वियतनाम में हमारी लौकिक निधियां हैं।

[ह्वीलर चकित होता है।]

ह्वीलर : जनरल ! सायगान में तो हमें बताया गया था…

जनरल : मेहरबानी करके आप मुझे श्रीमान् कहें, जनरल नहीं। मास्को और पेकिंग के बाजारों में आम लोग यह बात कहते सुने जाते हैं कि अमरीकी सेना का अनुशासन संसार में सबसे घटिया है। मेरा यह अनुभव है कि आप जैसे भावुक लोग, जो नये-नये अमरीका से आते हैं, कम्युनिस्टों की बात को सही सिद्ध करते हैं।

ह्वीलर : लेकिन, मेरा विश्वास है, श्रीमान् कि हमारा अनुशासन कितने ही एशियाई अर्द्ध-मानवों से कहीं बेहतर है ! आप अपढ़ किसानों के साथ युद्ध नहीं करते, आप तो उन्हें दिन-दहाड़े पीट-पाटकर रख देते हैं !

[नाइट हँसता है।]

जनरल : अहं ! आप भी उन्हीं लोगों में से एक मालूम होते हैं, जो हमें यह बताने आते हैं कि बड़े दिन तक हम अपने-अपने घर पहुँचकर वीतकांगों के मांस का जोरदार हैम्बर्गर उड़ाएंगे ! कर्नल ह्वीलर, आप नक्शे पर गौर फरमाइए ! यह जो लाल रंग का क्षेत्र है, इसे वे मुक्त क्षेत्र कहते हैं। इस क्षेत्र में उन्होंने बीस लाख हेक्टेयर जमीन बिना किसी मुआवजे के किसानों में बांट दी है, उनके सभी कर्ज क़ानून बनाकर मंसूख कर दिये हैं, और—मैं आपको स्पष्ट शब्दों में बताना चाहता हूँ,

उन्होंने उन लोगो को बिलकुल अपने पक्ष मे कर लिया है। आपको शायद यह भी जानने में दिलचस्पी हो कि उन्होंने हर गांव मे एक डाक्टर नियुक्त कर दिया है, हर प्रान्त में एक मैडिकल कालेज स्थापित कर दिया है, अनगिनत स्कूल उन्होंने खोल रखे हैं, और उन्होंने बिलकुल जादू की तरह उन एशियाई किसानो की अशिक्षा दूर कर दी है, जिनके विषय में आपने अभी बड़े दृढ विश्वास के साथ कहा है। यहा एक फिल्म कम्पनी है—बेशक़ वह सरकारी है—जिसने अब तक तीस समाचार-फ़िल्में और बीस डकुमेंटरी फिल्मे बनायी हैं। वे चालीस दैनिक, सत्रह साप्ताहिक और चालीस मासिक पत्रिकाएं बराबर प्रकाशित कर रहे हैं और उन्होंने मेरे न चाहते हुए भी, मुझे इन सबका ग्राहक बना रखा है। मुझे वे बिलकुल ठीक समय पर मेरी डाक मे मिल जाते है और उनमे एक सक्षिप्त टिप्पणी होती है, जिसमे मेरे लिए वह मृत्यु-दण्ड पक्का किया गया होता है, जिसकी घोषणा उन्होंने छ. महीने पहले की थी। 'मुक्ति रेडियो' रोज़ पांच भाषाओ मे कार्यक्रम प्रसारित करता है और हम यह भी पता नही लगा पाते कि वह शैतान केन्द्र कहां है। कर्नल ह्वीलर! दक्षिण वियतनाम का ४ बटे ५ भाग उनके अधिकार मे है, जिसकी आबादी पूरे देश की करीब दो-तिहाई है।

नाइट : और करीब तीन-तिहाई आबादी उनका साथ देती है!

[हँसी]

ह्वीलर : यह स्पष्ट है कि आप लोग बिलकुल थक गये है और आप लोग नही लड़ सकते।

फिन्ने : ओ, तुम अपनी पी-पी बन्द करो।

जनरल : (चीखकर) बहुत अच्छा! पलूस्की! चार्ट नं० ४!

['१९६१ से १९६५ तक अमरीकी हानि' नामक चार्ट ऊपर से नीचे आता है।]

नाइट : (धीरे-से) सूअर अपनी नाटकीयता से बाज़ नही आ सकता।

जनरल : इस अमरीकी जवान की सूचना के लिए वीतकांगों ने १,२३,००० बार हमले किये हैं, ४,१६,००० फौजियों को मार डाला है, ७०,७६६ शास्त्रास्त्रों पर कब्जा कर लिया है'''और सज्जनो ! मैं इस कमरे मे गोंद चबाना वर्दाश्त नही कर सकता।

[ह्वीलर चौंक उठता है। वह अपने मुंह से गोंद निकालकर हाथ में ले लेता है और इधर-उधर देखता है कि कहां उसे फेंके।]

नही, यहाँ कोई राखदान नही है, क्योंकि न तो मैं सिग्रेट पीता हू और न यहां किसी को पीने देता हूं।

[ह्वीलर खिड़की की ओर आता है।]

नही, आप कोई भी खिडकी नही खोल सकते, क्योंकि शत्रुओं के निशाने से बचने के लिए उनमे रोक लगा रखी गयी है। जितनी जल्दी आपके दिमाग मे यह बात घुसेड दी जाएगी कि आप अमरीका मे नही, वियतनाम में हैं, आपके जीवित रहने की संभावना उतनी ही अधिक होगी।

नाइट : (धीमे से) हिटलर !

[ह्वीलर अपने हाथ में लसलसी गोंद लिए हुए अनिश्चय की स्थिति में है।]

फिन्ने : अपनी जेव मे रख लो।

[ह्वीलर वैसा ही करता है।]

जनरल : अब आप लोगों के काम के बारे मे। आप लोग अपने-अपने विवरण-पत्र का १७वां पृष्ठ खोल लें। फ्लूक्स्की ! नक्शा दो !

['गिया दिन्ह' प्रान्त का एक नक्शा ऊपर से नीचे लटक आता है।]

हम लोग इस समय यहां—'कू ची' में हैं। 'कू ची' में, जैसा कि आप लोग जानते हैं, १७३वें सशस्त्र दस्ते का प्रधान कार्यालय है। यह मार्ग १ है—सायगान और 'कूची' के बीच

का सबसे महत्त्वपूर्ण मार्ग ! और यह, सज्जनो ! मार्ग १५ है. सायगान और 'बन सक' के बीच यातायात का एक मात्र मार्ग ! जैसा कि आप देख रहे है, इन दोनों मार्गों के बीच का क्षेत्र पूर्णतः शत्रुओं के हाथ में है। फलस्वरूप ये दोनों मार्ग खतरनाक हो गए हैं—बल्कि इन्हे मैं मृत्यु-जाल कहूं, तो अधिक ठीक होगा।

काफमैन : अमरीकी फौजी मार्ग १५ को नरक मार्ग कहते हैं !

जनरल : ऐसा वे अकारण नही कहते। हमारा सर्वोत्कृष्ट सैन्य-दल—प्रथम घुडसवार सेना जिसे आम तौर पर प्रशंसा में 'लाल सेना' कहा जाता है, हाल ही में इसी मार्ग १५ पर बडी निर्दयता-पूर्वक पीट-पाटकर रख दी गयी और उसे विवश होकर पीछे हटना पडा। अब हमने इस क्षेत्र में वीतकांगों का सफ़ाया करने का दृढ़ निश्चय कर लिया है। सज्जनो ! अब आप लोग 'कार्यवाही का जाल' को ध्यान से देखें ! तारीख और समय की सूचना आप लोगों को बाद में दी जाएगी। १७३वां दस्ता 'कू ची' से आगे वढेगा, जबकि आप लोगों की चार टुकड़ियां सबसे पहले 'हो बो' गांव पर कब्जा करेंगी, जो कि इस त्रिभुज के उत्तर में है और फिर दक्षिण की ओर आगे बढ़ेंगी और यहां कहीं हमसे आ मिलेंगी—

फिन्ने : आप लोग 'हो बो' हेलीकाप्टर से नही पहुंच सकते। अभागे 'छिनूक चापर' शत्रु की गोली की आवाज सुनने के पहले ही हवा मे टूट-फूट जाते है।

जनरल : (शांत) आप लोग हेलीकाप्टर से नही जा रहे है। आप लोगों को जगल से होकर जाना है।

[कमरे में संत्रास छा जाता है।]

फिन्ने : यह बेकार की बात है, श्रीमान ! कोई भी जीवित नही निकल पाएगा।

जनरल : कर्नल, मेरा सुझाव है कि आप योजना की बात मेरे ऊपर छोड़ दें और आप आज्ञाओं का पालन करें !

फिन्ने : लेकिन आज्ञाओं की कोई सीमा तो होनी चाहिए। श्रीमान् ! आप तो अच्छी तरह जानते है कि वह क्षेत्र—'ब्राङ-बाङ' और 'हो-बो' के बीच, कम्युनिस्ट कास्त्रो गोरिल्ला का जबरदस्त शिकारगाह है। मुझे तो हैरानी हो रही है कि आप कैसे···

ह्वीलर : अगर निग्रो लोगो की भीड़ को नष्ट करने की तरह हो, तो कास्त्रो को गोली से उड़ाया जा सकता है—

फिन्ने : क्या तुम अपनी जबान बन्द न करोगे, मार्क ? तुम अभी यहा नये-नये आये हो ? तुम कास्त्रो गोरिल्लों को नही जानते ! जनरल, मैं यह बात ज़ोर देकर कहना चाहता हूं कि अगर हमने उन जंगलों मे प्रवेश किया, तो उनके नेता दूयेत, मूआन और तैंक अपने लोगो के लिए निशानेबाज़ी का शानदार अभ्यास शुरू करा देंगे।

नाइट : वह सूअर तैंक हाल ही में 'विन त्रि' प्रान्त से आया है। आम-तौर पर यह विश्वास किया जाता है कि उसका निशाना कभी भी नही चूकता।

फिन्ने : जब से तैंक ने कास्त्रो की कमान संभाली है, वह आतंक बन गया है। मुझे पक्का विश्वास हो गया है कि वह सूअर कोई चीनी या ऐसा ही कोई सेनापति है, जिसने कोरिया में हम लोगों को नचाने का अभ्यास किया है ! श्रीमान् मुझे विवश होकर कहना पडता है कि जहां जंगल मे तैंक, दूयेत और मूआन शिकार की टोह में आदमखोरों की तरह घूमते रहते है, वहा अपने दो हज़ार निस्सहाय फौज़ियो को झोंकना ठीक उन्हें नरक मे···

जनरल : (मेज को ठोंककर) सज्जनो ! आगे आप लोग तभी बोलें जब आप लोगो से बोलने को कहा जाए !

[शांति छा जाती है।]

आप लोगों को 'कार्यवाही का जाल' मे भेजने के पहले मैं आप लोगो से दो सवाल पूछना चाहता हूं। आप लोग अपनी-

अपनी फाइल खोलें, पृष्ठ २२। पहला प्रश्न, आप लोगों को क्या सूज़ाक की तरह का कोई रोग है? दूसरा प्रश्न, क्या आप लोगों को उनिद्रा का रोग है?

ह्वीलर : आपका क्या मतलब है, श्रीमान्?

[एक क्षण कोई नहीं बोलता।]

जनरल : मुझे निश्चित रूप से यह मालूम होना ही चाहिए! चूंकि चार अमरीकियों में से एक को सूज़ाक होता है और चूंकि अकेले अमेरिका संसार के नींद वाली गोलियों के कुल उत्पादन का तीन-चौथाई गटक जाता है, इसलिए मैंने सोचा कि जो अफसर कास्त्रो गोरिल्लों का सामना करने जा रहे हैं, उनके बारे में निश्चित रूप से मुझे मालूम होना चाहिए कि उनके स्नायु ठीक हैं। अपने उत्तर तुरन्त लिख डालें, और कप्तान काफमैन, आपको यह सिद्ध करने की जल्दी नहीं होनी चाहिए कि आपको उनिद्रा का रोग है।

[काफमैन झपकी ले रहा था, उसने चौंककर आंखें खोल दीं।]

काफमैन : मैं बिल्कुल पिटा हुआ हूँ, श्रीमान, मुझे अफ़सोस है। शायद मुझे थोड़ी शराब…

जनरल : मुझे अफसोस है, कप्तान, मैं इस कमरे में किसी को पीने की अनुमति नहीं देता, क्योंकि मैं स्वयं नहीं पीता! फ्लूक्सी! चार्ट न० ८!

[युद्ध-बंदियों से सवालखानी के तरीके, वियतनाम के अमरीकी खुफिया विभाग-द्वारा १९६५ में प्रस्तुत शीर्षक चार्ट ऊपर से नीचे लटक आता है।]

आप लोग वेंक और दूयेत का नाम लेते ही जो परेशान हो उठे हैं, इसे मैं करीब-करीब अवज्ञा के रूप में लेता हूं, क्योंकि उन्हें नष्ट करने का आप लोगों को आदेश दिया जा रहा है। इसलिए इस तरह आप लोगों के कापने और फूंक निकालने का कोई अर्थ नहीं है। आप 'हो-वो' पहुंचते ही हर व्यक्ति में

सवालखानी शुरू कर दें। हर व्यक्ति का मतलब हर व्यक्ति है, सज्जनो ! मेरा ख़याल है कि आप लोग यह बात समझते है कि गोरिल्ला अपने इच्छानुसार इस कारण लड़ लेते हैं, क्योकि उन्हे गांव वालो से सीधे सहायता मिलती है। इसलिए यह समझना अकारण नही है कि गाववालों से आपको गोरिल्लो के छिपने की जगहों का पता नही लग सकता। फिर यह काम कैसे होगा ? सवालखानी ! तरीके ? आप लोग चार्ट की ओर देखिए, मेरा मुह क्या देखते है, गोकि मेरा मुह प्रभावशाली है—एक औजार—शिकारी छुरा। आप इसे किसी भी मास वाले भाग में चुभो दें, उदाहरण के लिए पेट मे, और धीरे-धीरे उसे घुमाएं। दूसरा औजार है, कटीला तार। एक फन्दा बनाइए, व्यक्ति के गले मे डाल दीजिए और उसे कसिए। तीसरा औज़ार है रायफल। एक सख़्त और चिपटी चीज़ को लीजिए और जैसा ठीक समझें, उस पर व्यक्ति की उगलियां या अगूठा फैला दीजिए और उस पर कुन्दे से इतने जोर से चोट कीजिए कि तुरन्त हड्डी टूट जाए। चौथा औजार···

फिन्ने : यह सब बेकार है, श्रीमान् ! 'बियेन होआ' मे हमने गर्म लाल सगीनों से चीर-फाड का शौक फरमाया था। लेकिन व्यर्थ ! किसी कमबख़्त ने भी एक बात मुह से न निकाली !

जनरल : वे कोई बात करें, इसी पर ज़ोर क्यो, कर्नल ? हमें मालूम है कि वे कोई भी बात नही करेंगे। लेकिन इसमें क्या ? हमारा काम तो उन्हे यातना पहुंचाते रहना है। अगर उन्हें यातना देने में आप लोगों को उसी प्रकार का मज़ा न मिले, जैसा कि अस्पतालों मे डाक्टरों को मिलता है, अगर पीड़ा से तड़पते हुए नंगे-पीले शरीरों को देखकर आप लोगों के स्नायुओं में वही आनन्द की सिहरन न दौड़े, जो वैज्ञानिकों के शरीरो में दौड़ा करती है, तो आप समझ लें कि आपके स्नायु वियतनाम में लडने के लिए तैयार नही हैं। अगर ऐसा हो तो आप

लोग तबादले के लिए दरखास्त दे दें। (चार्ट की ओर आंखें घुमाकर) चौथा औजार, लपटें फेंकने वाला औजार। व्यक्ति की आंख के पास ले जाकर लपट छोड़ें, ताकि उसकी आंख का पर्दा जल जाए। पाचवें औजार से लेकर ग्यारहवें औजार तक, पिन, पानी, पट्टा, और इसी प्रकार के औजार एक वैज्ञानिक मजे के अलावा अब वियतनाम में बेकार साबित हो चुके हैं। हां, इनका प्रयोग व्यक्ति के सम्बन्धियों, जैसे माता-पिता, पति-पत्नी या बच्चे पर किया जा सकता है।

नाइट : 'प्लेई मि' में हमने एक लड़की के साथ उसके पति के सामने ही बलात्कार किया।

जनरल : यह सबसे अधिक वैज्ञानिक था! अब आप १२वें पर नजर डालें—अमरीकी खुफिया विभाग की एक ईजाद—मनुष्य पर विभिन्न शक्तियों की बिजली का धक्का देने का औजार—स्टाकटन बैटरी! आप लोगों को यह एक-एक औजार मिलेगा।

[मेज की दराज से एक हरी छोटी बैटरी निकालता है।]

यह स्टाकटन इलेक्ट्रिकल्स, न्यूयार्क, की बनायी हुई है।

[देखने के लिए बैटरी एक-एक के हाथ में जाती है।]

उन दोनों सिरों को—चार्ट में देखें—यदि व्यक्ति औरत हो तो उसकी छातियों की घुण्डियों से और यदि पुरुष हो तो उसके लिंग से जोड़ना चाहिए। टिप्पणी—यह आवश्यक है कि इसके प्रयोग के पहले व्यक्ति को ठीक से पानी से भिगो दें।

[यह पूरा भाषण और बहस बिना किसी आवेग या किसी विशेष घृणा के भाव के सच्ची वैज्ञानिक परंपरा में होती है। कमरा बिल्कुल एक विश्वविद्यालय के भाषण-कक्ष की तरह हो जाता है।]

दैफ्ने : 'वुड ताऊ' क्षेत्र में इस बैटरी से हमें अच्छा परिणाम हासिल

हुआ।

ह्वीलर : अच्छे परिणाम से आपका क्या मतलब है ?

फिन्ने : बहस महत्त्वपूर्ण नहीं है, प्रयोग महत्त्वपूर्ण है !

जनरल : बिल्कुल ठीक ! कर्नल, आप अपने व्यक्तित्व से ऊपर उठिए, वैज्ञानिक खोज की दृष्टि अपनाइए ! ···पलूसी, चार्ट नं० ११ !

[“युद्ध में प्रयुक्त होने वाले गैस” नामक चार्ट ऊपर से नीचे लटकता है ।]

वियतनाम में हमने दो गैसों से इस समय तक चार लाख लोगों को अपंग कर दिया है। आप लोगों मे से दो के चेहरों पर मैं एक अस्पष्ट-सा सवाल उभरता हुआ देख रहा हूं—शायद यह सवाल गैसों के इस्तेमाल के विरुद्ध १६१८ के जेनेवा के इकरारनामे से सम्बन्ध रखता हो। सज्जनो ! आप लोग तुरन्त इस सवाल से अपने को मुक्त कीजिए, क्योंकि मेरा ख़याल है कि यहां साम्यवाद का घेराव करने की आवश्यकता के विषय मे कोई भी असहमति नहीं है, और जब आपको साम्यवाद का घेराव करना है, तो आप जेनेवा और इस तरह की दूसरी चीज़ों की चिन्ता क्यों करेंगे ? अब आप लोग चार्ट को देखिए—ये दो गैसें, जिनका प्रयोग हमने किया है, क्लोरो-एसेटोफेनन और फेनारसाजिनक्लोराइड हैं, इनका आयात प्रमुख रूप से पश्चिम-जर्मनी से होता है। हम इन्हें क्रमशः सी-एम. और डी-एम. कहते हैं। आप लोगों के 'हो बों' पहुंचने के पहले बी-५२ बममार वहां डी-एम. की बमबारी कर देंगे। इसका परिणाम होगा—एक, वहां फसलें बर्बाद हो जाएंगी, दो, कम-से-कम एक हज़ार लोग हताहत हो जाएंगे। यह हमारा अनुभव है कि डी-एम के ज़हर से सबसे अधिक बूढ़े और बच्चे प्रभावित होते हैं। इस बमबारी के मनोवैज्ञानिक प्रभाव से आप लोगों का काम काफी सरल हो जाएगा। लेकिन आप लोगों को और आपके जवानों को गैसमास्क लेकर जाना

होगा।

[कहीं पास से ही रायफ़ल से दो गोलियां चलाने की आवाज़ें आती हैं। फिन्ने अपने पंजों पर खड़ा हो जाता है, लेकिन कुछ बोल नहीं पाता।]

वीतकांग ?

[जनरल के इस आतंकपूर्ण सवाल के उठाते ही अफ़सर चीख उठते हैं।]

अफसर : वीतकागो ने हमला कर दिया !

—भेदिए !

—कास्त्रो गोरिल्ला !

—दरवाज़े वन्द करो ! सब दरवाज़े वन्द करो !

जनरल : —चुप होओ ! (अन्तःसंचार-यत्र से) सेल्मा, य···ह···क ···क···क्या है ? किसने गोली चलायी है ?

सेल्मा की आवाज़ : हमने एक कम्युनिस्ट क़ैदी को गोली मार दी है, जनरल ! सवालखानी के समय वह पागल हो गया था।

[एक क्षण कोई कुछ नहीं बोलता। इस आतंक के प्रदर्शन के कारण वे एक-दूसरे से मुंह छिपाने की कोशिश करते हैं। फिन्ने मुंह की सीटी से 'आज रात पुराने नगर में होगी गर्म हवा धुन बजाता है। जनरल अचानक मेज़ की दराज़ से बोतल निकालता है और सावधानी का भाव दिखाते हुए पीता है। अफ़सर हंसते हैं।]

जनरल : यह मेरी दवा है। (अन्तर-संचार-यंत्र में) सेल्मा ! शैतान, तू मुझे जनरल क्यों कहती है ? तुम मुझे श्रीमान कहा करो !

ह्वीलर : तो वह यह था। रायफल की दो गोलियां और आप लोग डर से पीले पड़ गये !

फिन्ने : देखो ! देखो ! पीछे से कहीं तुम्हारी पेंट तो नहीं सरक रही है। अगर तुम्हें मालूम नहीं है, तो सुन लो कि कम्युनिस्टों ने सायगान के केन्द्र में स्थित मैट्रोपोल होटल को उड़ा दिया, जिसमें दो सौ अमरीकी खतम हो गये। तुमने अभी सायगान

को नही देखा है, और यह—लाल क्षेत्र के ऐन बीच मे एक छोटा-सा गाव है !

जनरल : आप लोग कोई सवाल पूछना चाहते है ?

नाइट : श्रीमान् आपने हमे यह तो बताया ही नही कि हम 'हो-बो' पहुंचने के लिए जंगल का मार्ग कैसे पार करेंगे।

जनरल : क्या 'कार्यवाही का जाल' आप सब लोगों की समझ में ठीक-ठीक आ गया ?

(सब हां में सिर हिलाते हैं) आप लोग नक्शे पर नजर डालें। आप लोग 'व्राङ-ब्राङ' से बारह घण्टे जंगल में चलकर 'हो-बो' पहुचेंगे। आप लोग सुरक्षित रहेंगे, क्योंकि आप लोगो का मार्ग-दर्शन विशेष स्काउट मैडम व्रान थी लान हू करेंगी, इन्हे सायगान से इसी काम के लिए विशेष रूप से भेजा गया है।

नाइट : बहुत अच्छा, बहुत अच्छा ! देखा आपने ? एक लड़की ? सुन्दर है ?

[मुंह से सीटी बजाता है।]

जनरल : यह भेड़िये की तरह बदमाशी की सीटी बन्द करें! मैडम लान हू वियतनाम के सबसे धनी व्यक्ति की पुत्री हैं। उनका परिचय ही किसी को भी कँपा देने के लिए काफी है। 'बन सक' और 'बन ववात' के बीच के क्षेत्र के अपदस्थ मालिक नङ की ये पुत्री हैं। मेरा मतलब है कि उन्हे कम्युनिस्टों ने अपदस्थ किया था। जनरल वैस्टमोरलैण्ड ने हमारी इस कार्यवाही के लिए इनकी विशेष रूप से सिफ़ारिश की है, क्योंकि जिस क्षेत्र मे हम कार्यवाही करने जा रहे हैं, उसका ज्ञान इन्हे उसी तरह है, जैसे किसी को अपनी हथेली का ज्ञान होता है। (अन्तर-संचार-यंत्र में) सेल्मा, मैडम हू को यहा भेजो ! ...एक बात और है, सज्जनो ! मैडम हू काओवादी है। मेरा खयाल है कि आप लोगों को यह बिलकुल मालूम नही कि काओवादी क्या होते हैं। लेकिन मेरी यह बात सुन लीजिए कि वे आप

लोगों के सर्वाधिक सम्मान की अधिकारिणी हैं। इसलिए आप लोग उनकी ओर कटाक्ष करें, उन्हें देखकर होंठ चबाएं या अपनी टांगों को एक-दूसरे पर रखें, यह मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता !

[यूरोपीय वस्त्रों में, अपने चेहरे पर नक़ाब डाले हुए मैडम लान हू प्रवेश करती है। सब लोग उठ खड़े होते हैं।]

पधारिए, मैडम ! ···सज्जनो ! मैं आप लोगों के सम्मुख मैडम लान थी लान हू को प्रस्तुत करता हूं ! (मैडम बैठती है, अफ़सर बैठते हैं) अपने लक्ष्य की महानता को दृष्टि में रखते हुए, मैंने सोचा कि शायद आप लोग मैडम से कोई सवाल पूछना चाहें ! इनके जंगल-ज्ञान और निपुणता पर ही आप लोगों का जीवन निर्भर है।

काफमैन : (तीक्ष्ण दृष्टि तथा तीक्ष्ण बुद्धि बनने का प्रयत्न करते हुए) मैडम हू, आप वियतनामी हैं, ठीक है न ?

जनरल : (कर्कश स्वर में) और ये क्या हो सकती हैं, कप्तान ?

लान हू : मेरी मा अमरीकी हैं, किन्तु मेरे पिता वियतनामी थे। मैं अपने को वियतनामी समझती हूं।

काफमैन : तब आप हमारी मदद क्यों कर रही हैं ?

लान हू : यह सब मैं आप लोगों के सायगान के उच्च अधिकारियों को बता चुकी हूं। आप लोगों को बताना मैं जरूरी नहीं समझती !

जनरल : कप्तान काफ़मैन, १९४५ में कम्युनिस्टों ने इनके पिता की हत्या इनकी आंखों के सामने ही की थी, क्योंकि उन्होंने फ्रांसीसियों के साथ सहयोग किया था। कम्युनिस्टों ने संगीनों का इस्तेमाल किया था और इनके पिता के शरीर को चिथड़े-चिथड़े कर दिया था।

लान हू : (अचानक खड़ी होकर) मैं यहां इसलिए नहीं हूं कि आप लोग मेरे अतीत की बातें करें और मुझे वह—सब याद दिलाएं

'''आप लोगों को मालूम होना चाहिए कि मैं आप लोगों की नौकरानी नहीं हूं ! मैंने अपनी सेवाएं अपनी इच्छा से समर्पित की हैं। मैं 'हो-बो' जंगल से परिचित हूं, क्योंकि मैंने अपना बचपन उन्हीं जंगलों मे खेलकर बिताया था। वह जंगल हमारा था।

फिन्ने . क्या आप समझती हैं कि हमे कास्त्रो दस्ता मिल जाएगा ?

लान हू : हां।

ह्वीलर : त्रैंक को आप जानती हैं ?

लान हू : (जरा रुककर) हा, मैं जानती हूं।

ह्वीलर : वह कौन है ? वह क्या है ?

लान हू : त्रैंक मेरे पिता की जमीन पर काम करने वाला एक मजदूर था। मुझे उससे खून का बदला लेना है, सज्जनो ! क्योंकि त्रैंक और दूयेंत ने ही मेरे पिता की हत्या की थी।

जनरल : मैडम लान हू ने त्रैंक का पूरा विवरण हमें दिया है। आप लोगों को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि इन्होंने हमे त्रैंक की एक तसवीर भी दी है। पलूक्मी, चित्र नं० ४१।

[एक सुन्दर युवक, हट्टे-कट्टे किसान का अस्पष्ट चित्र ऊपर से नीचे लटक आता है।]

यह चित्र सोलह गुना बढ़ाया गया है। चित्र से स्पष्ट है कि उसका दाहिना कान गायब है। आपके लिए यह उसकी पहचान का दिखायी देने वाला चिह्न है, सज्जनो ! आप अच्छी तरह इसे देखें, तो आप पाएंगे कि यह खून-मास का बना हुआ एक सामान्य मनुष्य है। इसलिए आप लोगों को उसके विषय मे आतंकित नहीं होना चाहिए। आप लोगों में से कोई फ्रांसीसी भाषा बोल सकता है ?

नाइट : मैंने स्कूल मे कुछ सीखा था, अगर इतनी'''

जनरल : बैठ जाएं, आप तुरंत बैठ जाएं। अमरीकी स्कूलों की फ्रांसीसी भाषा ठीक फ्रांसीसी भाषा नहीं है। समझे ? आप लोग वियतनाम मे लड़ने आये हैं और फ्रांसीसी भाषा जानते ही नहीं !

आप जंगलो मे जाएगे और वहां पेड़ों को पहचान भी न पाएगे ! आप लोग गोरिल्लों से लड़ना चाहते है और अन्धा-धुन्ध लोगों को मारने से भी हिचकते हैं ! इससे काम नही चलेगा ! सज्जनो ! युद्ध-विभाग के आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं —सबको मार डालो, सबको जला डालो ! हमें यह अच्छी तरह मालूम है कि यह लडाई हम हर्गिज नही जीत सकते। लेकिन फिर भी हम एशियाके चेहरे पर ऐसा दाग छोड़ जाएंगे, उसके शरीर पर ऐसा नासूर छोड जाएगे कि चीनी कम्युनिस्टों के भी पांव उनके जूतो मे कापने लगेंगे।

[जनरल के होंठ फड़फड़ाने और फेनिल होने लगते हैं।]

इंडोनेशिया की तरह। वहां हमने कम्युनिस्टो के बच्चों तक को संगीनों पर झेल दिया···किसी को भी न छोड़ें···आपको मजा आए, तो आप औरतो की छातियां भी काट लें, लेकिन किसी को भी छोड़ें नहीं···इस देश की हिम्मत को तोड़ दें···

[दक्षिण वियतनाम के नक्शे पर 'कू चो' पर जनरल की काली छाया फैल जाती है।]

अंक : दो

[मार्ग ७, मार्ग १ और मार्ग १५ को जोड़ता है। इसी सड़क पर 'हो-बो' गांव है। अस्पताल एक ऊंची जमीन पर बना है। इसके सामने एक सहन है, जो कभी-कभी चीर-फाड़ की जगह की तरह भी इस्तेमाल होता है। इन सबको पत्तों की छत से छिपा रखा गया है। पर्दा उठता है, तो ५२ विमान गांव पर बमबारी करते होते हैं, उनकी बिजली की तरह रोशनी कभी-कभी चमक उठती है। नापम बम से फ़सलें जलती हुई दिखायी देती हैं और उनके पीछे के आसमान में लपटें दिखायी देती हैं। सफ़ेद कपड़े पहने हुए डा० वान विन्ह, नर्स नगुएन थी माओ और डा० लि थी बम से घायल व्यक्तियों का इलाज कर रहे हैं। डा० विन्ह एक घाव को सी रहे हैं, लेकिन चारों ओर जो हत्यारे बमवारों का शोर हो रहा है, उससे वे अपना ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाते।]

विन्ह : *यांकियो ! कुछ सेकंड के लिए तो यह सब बन्द करो ! आधे* मिनट के लिए भी तुम लोग रुक जाओ, तो मैं यह सिलाई पूरी कर लूं।

[पृष्ठभूमि में हमें शान्त और अनुशासित गांववासी जमीन से बमवारों को गोलियां दागते हुए दिखायी देते हैं। डा० विन्ह सिलाई खत्म करते हैं।]

इसे अन्दर ले जाओ (लि थी ट्राली को आगे बढ़ा देते हैं और माओ दूसरी ट्राली उनके सामने कर देती है, जिस पर एक

जवान किसान लेटा हुआ है, उसका चेहरा बुरी तरह झुलसा हुआ है।) नापम ?···तुम शैतान, तुम कौन हो? ताम हो क्या ?

ताम : हां। (डा० तेजी से और ठीक से घाव साफ़ कर रहे हैं।) आप कितना समय लेंगे, डाक्टर ?

विन्ह : काहे में ?

ताम : आप थोड़ी जल्दी कर सकें, तो मैं आपका बेहद शुक्रगुजार हूंगा। मैं जन-सेना का आदमी हूं और मुझे अपने नियत स्थान पर रहना चाहिए।

विन्ह : अब तुम्हें पीठ के बल शान्ति से करीब एक महीना लेटे रहना होगा (ताम का जैकेट काटते हैं।)

ताम : आप बिलकुल झक्की हैं !

विन्ह : चुप रहो, बात मत करो !

ताम : मैं होश में आ गया हूं, नहीं ? और अधिक आप क्या चाहते हैं ?

[अध्यापिका वूई थी सू, जो एक सुन्दर लड़की है, धूप का चश्मा पहने हुए, बगल में किताबें दबाये हुए और हाथ में चमड़े का बैग लटकाये हुए जल्दी में लुढ़कती-सी प्रवेश करती है।]

वूई : डा० विन्ह, मैं पुस्तकें ले आयी हूं।

विन्ह : नर्स, इन किताबों को कमरा नं० ४ में रखो।

माओ : ये कैसी किताबें हैं, श्रीमती ?

वूई : स्कूल के पुस्तकालय की कुछ श्रेष्ठ पुस्तकें हैं। इन्हें मैंने अपनी खाई में डालना ठीक न समझा।

माओ : (किताबें लेते हुए) और बच्चे ?

वूई : वे अपने-अपने काम पर हैं, जन-सेना की जगहों पर वे गोला-बारूद पहुंचा रहे हैं।

[सिर पर ही एक बमबार के उड़ने की आवाज आती है, जिसे सुनकर हर व्यक्ति पेट के बल लेट जाता है।

जैसे ही बमबार चला जाता है, वे खड़े होकर अपने-अपने काम में जुट जाते हैं।]

ताम : अब अपना हाथ हटाइए, डाक्टर ! मेरी तैनाती पुल पर है, मुझे अपना कर्त्तव्य-पालन करना है !

विन्ह : (उसे जबरदस्ती लेटाते हुए) बेवकूफ ! चुपचाप लेटा रह ! नापम को ज्योतिषियों के नक्षत्र देखने की तरह घूरने और उससे झुलसने के पहले तुझे अपने कर्त्तव्य की बात सोचनी चाहिए थी !

ताम : नहीं, मैं वैसे नहीं घूर रहा था। मैं अपनी पत्नी को बचाने की कोशिश कर रहा था। झोंपड़ी में आग लग गयी थी और मेरी पत्नी अन्दर ही थी। उसका सातवां महीना चल रहा है।

विन्ह : हे भगवान ! और वह गर्भवती इस समय कहां है ?

ताम : अपनी चौकी पर गयी है, और कहां जाएगी ? उसके पास दिमाग नहीं है, मैं सच कहता हूं ! मुझसे कह रही थी कि तुम्हारे साथ अस्पताल चलूंगी। मैंने कहा कि—ओह, डाक्टर, *क्या आप ज़रा धीरे-से अपना हाथ नहीं चला सकते ? लगता है कि आप हाथ से नहीं, लोहे के पंजे से काम कर रहे हैं।*— तो मैंने अपनी पत्नी से कहा कि देखो, औरत, तुम्हारी जगह मार्ग ७ पर निरीक्षण चौकी पर है। अगर तुम पूंछ की तरह मेरे साथ लगी-लगी अस्पताल जाओगी, तो मैं कामरेड दूयेत से शिकायत कर दूंगा और वे तुम्हें अपनी चौकी से भागनेवाले की तरह गोली मार देंगे।

[हंसी। एक बार फिर राकेट चलाने वाले बमबारों का शोर सिर पर सुनाई पड़ता है, एक बार वे फिर पेट के बल लेट जाते हैं और फिर शोर खतम होने के बाद काम शुरू कर देते हैं। ब्यूई अपना चमड़े का बैग खोलती है और एक कोने में रेडियो फोन लगाती है। मार्क्सवादी किताबों के ढेर से एक किताब उठाकर पढ़ने लगती है।]

विन्ह : (ब्यूई से) तुम वहां क्या कर रही हो ?

वूई : मैं वही कर रही हूं, जो मुझे कामरेड मूआन ने करने को कहा है। संकेत !

विन्ह : तुम और मूआन मुझे पागल बनाकर छोड़ेंगे ! यह अस्पताल है ! क्या यह जरूरी है कि तुम यहा सभी तरह के कीटाणु लाओ ?

[गोरिल्ला सैन्य के सेनाध्यक्ष मूआन अन्दर आते हैं। उनके कन्धे से छोटा मशीनगन लटका हुआ है और उनके सिरपर जंगल के फ़ौजियों की टोपी है।]

वूई : स्वागत कामरेड मूआन ! क्या आपके लिए जरूरी है कि आप यहां संसार के सभी तरह के कीटाणुओं को लाएं ?

मूआन : रोगों के कीटाणु तो अमरीकी है, हम लोग तो उन्हें नष्ट करने वाले हैं।

ताम : कामरेड मूआन, आप मेरी बात सुनिए, मुझे गहरा सन्देह है कि यह जो डाक्टर हैं, ये शत्रुओं के गुप्तचर है। वर्ना मेरे जैसे निपुण रायफ़ल चलानेवाले को ये अपना काम करने से क्यों रोकते ? मैं आपसे पूछता हूं !

मूआन : अगर मैं डाक्टर होता, तो तुम्हें सावधानी के लिए बिस्तर पर बंधवा देता। ताम, तुम बडे धूर्त हो. मेरा ख़याल है कि तुम बिस्तर से चोर की तरह निकल भागोगे !

विन्ह : इस मामूली रोगी को अन्दर ले जाओ। (माओ के आगे नहीं बढ़ती, तो विन्ह उसकी ओर देखते हैं। वह गहरे अध्ययन में लीन है।) ओ सैद्धान्तिक संघर्ष की साहसी सेनानिनी ! (कोई उत्तर नहीं) कामरेड सांस्कृतिक क्रान्तिकारिणी ! (माओ अपने पांवों पर उछल पड़ती है।) अब कोई सन्देह नहीं रहा कि मेरे स्नायु जवाब दे देंगे। चिह्न स्पष्ट है ! चारों ओर बम गिर रहे है, घायल आते जा रहे हैं और मेरी सहयोगिनी विशेष रूप से इसी अवसर को "मार्क्सवाद के आधारभूत सिद्धान्त" अध्ययन करने का समय चुनती है ! क्या मैं पूछ सकता हूं कि तुम क्या पढ़ रही हो ?

माओ : मुझे माफ़ करें, डाक्टर ! मैं एक ऐसी पुस्तक पढ़ रही थी, जो रायफलों से, अमरीकी बमबारों से और निक्सन के आतंक से कहीं अधिक शक्तिशाली है !

विन्ह : कौन पुस्तक है ?

माओ . "जन युद्ध की कार्य-नीतियां और रणनीतियां'।

[वह ट्राली अन्दर ढकेलने लगती है ।]

वूई : (रेडियो टेलीफ़ोन में) त्रोइस-कार्यालय चौकी सुनो ! ट्रैप्यु रोग त्रोइस कार्यालय चौकी सुनो ! ट्रैप्यु रोग ! जवाब दो, ट्रैप्यु रोग !

ताम : (ट्राली के अन्दर जाते समय) नर्स, मेरी बहन, मेरी पत्नी की बहन, मेरी प्यारी, कृपा कर सुनो ! मैं बिलकुल ठीक हूं ! मुझे क्यों यहां बन्द किया जा रहा है ?

[ताम की ट्राली अन्दर चली जाती है । पास ही कहीं बम फटता है ।]

मूआन : अजीब आवाज़ है ! ये कौन बम है, मेरी समझ मे नहीं आता ।

वूई : जवाब दो, ट्रैप्यु रोग…आ रहे हैं…

[मूआन फ़ोन लेते हैं ।]

माओ : एक पतंग गिर रही है ! अमरीकी जहाज गिर रहा है। उसकी पूंछ का धुआं देखो !

[विन्ह, लि ची और माओ आकाश की ओर देखने के लिए किनारे पर जाते हैं । श्वान, एक अधेड़ आयु का किसान अन्दर आता है । उसकी पीठ पर रायफल लटकी हुई है। उसके हाथों में झूलता हुआ एक बच्चा है ।]

श्वान : डाक्टर, कृपा कर ज़रा इस बच्चे को देखें ! यह अजीब हर-कतें कर रहा है, ऐसे अजीब कि…

विन्ह : (बच्चे को देखते ही) नर्स ! लि ची ! चीर-फाड़ की मेज तैयार करो, तुरन्त !

[नर्स और ली ची दौड़कर आते हैं। डाक्टर बच्चे को एक सुई देता है।]

ध्वान : बम पास ही गिरा था, लेकिन झोंपड़ी पर नहीं। जाने इसे क्या हुआ !

विन्ह : तुम्हारा बेटा है, ध्वान ?

ध्वान : हां।

विन्ह : (मूआन के पास जाकर) कामरेड मूआन, अमरीकी जहाज जहरीली गैस गिरा रहे हैं।

[माओ आती है, बच्चे को उठाती है और अन्दर चली जाती है। विन्ह भी जाने ही वाले हैं कि ध्वान उन्हें रोक लेता है।]

ध्वान : क्या वह···क्या वह बचेगा नहीं ?

विन्ह : तुम्हें झूठी आशाओं पर भरोसा नहीं होता न ?

ध्वान : नहीं।

विन्ह : वह नहीं बचेगा।

[डाक्टर अन्दर चला जाता है। ध्वान एक कोने में धसक जाता है। बूई आकर उस पर हाथ रखती है।]

ध्वान : इसकी माँ इससे पहले ही चली गयी थी, दिसम्बर की बमबारी में।

मूआन : वोइस कार्यालय रिपोर्ट लिखो, ट्रैंप्यू रोग-ध्यान दो, ट्रैंप्यू रोग माउटन, इलैंजर, स्वायक्सैन्ति-दिवस, क्वार्तर-विग्त, चांसन, क्वींज, किक, न्यूफ, औन्जि, ड्यूक्स फिन।

[ट्रैंप्यू रोग से आने वाले सन्देश को मूआन लिखते हैं। दो जवान किसान अपने-अपने हाथ में रायफल लिये झगड़ते हुए आते हैं। एक के माथे पर घाव है।]

थान : खोयेन, मैं तुमको सावधान करता हूँ, दुष्टता की भी एक सीमा होती है। तुम अपनी दुष्टता से ही अपना हर काम नहीं बना सकते।

[अपने ललाट से खून पोंछता है।]

खीयेन : व्रान दुआङ, सुनो। पहले तुम रायफ़ल हाथ में पकड़ना तो सीखो! जहाज ऊपर आया ही था कि तुम हड़बड़ा गये थे, मैंने अपनी आँखों से ही देखा था। भला तुम हड़बड़ा क्यों गये थे? डर, तुम डर गये थे।

व्रान : जो भी मुझे कायर कहता है, वह दोगला है।

खीयेन : तुम मेरे माता-पिता की पवित्रता पर छीटाकशी कर रहे हो? मैं तुम्हारे दाँत तोड़ दूँगा।

मूआन : शान्त होओ! क्या बात है?

व्रान : कामरेड मूआन, आप इस सूअर को देख रहे हैं। मैं यहाँ इकट्ठे सभी आदमियों के सामने यह घोषणा करता हूँ कि यह बदमाश बिलकुल बद···बदमाश है! यह कहता है कि मैंने हवाई जहाज मार गिराया है।

खीयेन : बेशक, मैंने ही मार गिराया है, इसीलिए मैं यह बात कहता हूँ। हवाई जहाज़ ने अपने पेट का भार हलका किया और शोर मचाता हुआ ऊपर जाने वाला ही था कि मैंने उसके पेट में गोली मार दी।

व्रान : लोग कहते हैं कि दम्भी मनुष्यों और सुबह की ओस का जीवन समान रूप से क्षणिक होता है। मैं तुमसे जालसाज़ी न करने के लिए कहता हूँ, जालसाज़ी मत करो। तुम्हारे माता-पिता ने सदा जालसाज़ी की और वे दोनों मर गये।

खीयेन : फिर तुम सबके सामने मेरे माता-पिता का अपमान कर रहे हो?

मूआन : हवाई जहाज़ को किसने मार गिराया, इसमे बहस करने की क्या बात है? हवाई जहाज़ गिरा दिया गया, यही महत्त्व-पूर्ण बात है!

व्रान : लेकिन, कामरेड मूआन, मैंने उसे गोली से मार गिराया था। हर आदमी ने यह देखा! पूरा गाँव इसका गवाह है!

खीयेन : चाची किम प्रमाणित करेंगी कि मैंने हवाई जहाज़ को गोली से मार गिराया।

करता है। डा० विन्ह जैसे ही अन्दर जाने को होते हैं, थ्वान उनकी बाँह पकड़ लेता है।]

थ्वान : क्या उसे···क्या उसे बहुत ज्यादा पीड़ा हुई ?

विन्ह : (क्षुब्ध होकर) मुझे जाने दो !

[डाक्टर दौड़ते हुए अन्दर जाते हैं। हवाई हमला खत्म होने की सीटी गाँव में बजती है और साथ ही इंजिन की सीटी की आवाज भी सुनायी देती हैं।]

मूआन : यह आग लगने की सूचना है। आग बुझाने वालों की सहायता करने चलो, सब लोग, चाची किम को छोड़कर !

[बूई, थ्वान और खोयेन को बाहर ले जाती है।]

बूई : (डरी हुई अपने कपड़ों की ओर देखती है) मेरे कपड़े ?

मूआन : तुम्हारी रायफल कहाँ है ? (बूई अपनी रायफल उठाती है) रायफ़ल कपड़ों का भाग है, सबसे महत्त्वपूर्ण भाग !

[वे बाहर जाते हैं। मूआन थ्वान की ओर देखते हैं, जो स्थिर बैठा है।]

कामरेड थ्वान, क्या तुम आग बुझाने में मदद नहीं करोगे ?

थ्वान : (अपना सिर उठाकर) आपने क्या कहा ?

मूआन : तुम आग लगने की सूचना नहीं सुन रहे हो ?

थ्वान : आप तो जानते हैं, वह···वह बड़ा ही नटखट था। आज सुबह ही मैंने उसे सजा दी थी। मैंने उसे ज़ोर से पीटा था। ओह, वह अब शरारत करने वापस नहीं आयेगा, नहीं न ?

मूआन : (जरा रुककर) कामरेड थ्वान, अब तुम एशिया के सभी बच्चों की रक्षा का काम करोगे, वे सब तुम्हारे हैं, ठीक है न ?

[थ्वान उठ खड़ा होता है, सहमति में सिर हिलाता है और मजबूत क़दमों से चलता हुआ जाता है।]

किम : बेटे, क्या तुम नहीं जाओगे ? देखो, और कौन-कौन मरे हैं ?

मूआन : मैं यह टेलीफ़ोन एक क्षण के लिए भी नहीं छोड़ सकता।

किम : शायद, मेरी पोती भी मर जाएगी। यह कैसी बेहूदा बात

है, वे हमसे हार रहे हैं, तो अब हमारे बच्चों को गैस से मार रहे हैं।

मूआन : कहावत है न कि पागल कुत्ता एक ही बार काटता है। यह उनका आखिरी पागलपन है।

[विन्ह और उनके पीछे-पीछे लो ची और माओ आती हैं।]

फिम : मेरी पोती का क्या हाल है? (विन्ह एक सिग्रेट जला रहे हैं) ओ सफ़ेद कपड़े वाले! मेरी पोती चली गयी या अभी लड़ रही है?

विन्ह : अगर वह जाती ही है, तो जब जाएगी, मैं आपको बता दूंगा। मैंने उसे मार्फिया देकर सुला दिया है। (ज़रा रुककर) बेवकूफ़ी के सवाल न पूछें (ज़रा देर सिग्रेट पीते हैं) मुझे मालूम नहीं है कि इसका इलाज क्या है। हाथ-पाँव सूज जाते हैं। सीने में दर्द होता है, शायद फेफड़ा फट जाता है। अगर हमें मालूम हो जाता कि वे कौन-सा गैस इस्तेमाल कर रहे हैं, तो (अचानक) नर्स, क्या ध्वान के बच्चे का शव अन्दर है?

माओ : है।

विन्ह : कामरेड मूआन, मैं ध्वान के बेटे, जुई, के शरीर को चीरना-फाड़ना चाहता हूँ, आप अनुमति दे दें।

मूआन : मैं ध्वान से पूछूंगा।

विन्ह : आप जितना चाहें पूछें, लेकिन जवाब हाँ में होना चाहिए। जो बच्चे जीवित हैं, उन्हें हमें बचाना है···उन्हें बड़ा और मजबूत बनाना है···इतना बड़ा जैसा कि आकाश है, ताकि उनके सिर तारों तक पहुँच सकें और उनके सिर के बालों की अलकें मृत ग्रहों के बर्फों का स्पर्श कर सकें···

[टेलीफोन घरघराने लगता है और मूआन तुरन्त सावधान हो जाते हैं।]

मूआन : अलोर्स, त्रोइस कार्यालय, त्रोइस कार्यालय, सुन रहा हूं।

करता है। डा० विन्ह जैसे ही अन्दर जाने को होते हैं, थ्वान उनकी बाँह पकड़ लेता है।]

थ्वान : क्या उसे···क्या उसे बहुत ज्यादा पीड़ा हुई ?

विन्ह : (क्षुब्ध होकर) मुझे जाने दो !

[डाक्टर दौड़ते हुए अन्दर जाते हैं। हवाई हमला खत्म होने की सीटी गाँव में बजती है और साथ ही इंजिन की सीटी की आवाज भी सुनायी देती है।]

मूआन : यह आग लगने की सूचना है। आग बुझाने वालों की सहायता करने चलो, सब लोग, चाची किम को छोड़कर !

[बूई, थ्वान और खीयेन को बाहर ले जाती है।]

बूई : (डरी हुई अपने कपड़ों की ओर देखती है) मेरे कपड़े ?

मूआन : तुम्हारी रायफल कहाँ है ? (बूई अपनी रायफल उठाती है) रायफल कपड़ों का भाग है, सबसे महत्त्वपूर्ण भाग !

[वे बाहर जाते हैं। मूआन थ्वान की ओर देखते हैं, जो स्थिर बैठा है।]

कामरेड थ्वान, क्या तुम आग बुझाने मे मदद नही करोगे ?

थ्वान : (अपना सिर उठाकर) आपने क्या कहा ?

मूआन : तुम आग लगने की सूचना नही सुन रहे हो ?

थ्वान : आप तो जानते हैं, वह···वह बड़ा ही नटखट था। आज सुबह ही मैंने उसे सजा दी थी। मैंने उसे ज़ोर से पीटा था। ओह, वह अब शरारत करने वापस नही आयेगा, नही न ?

मूआन : (जरा रुककर) कामरेड थ्वान, अब तुम एशिया के सभी बच्चों की रक्षा का काम करोगे, वे सब तुम्हारे हैं, ठीक है न ?

[थ्वान उठ खड़ा होता है, सहमति में सिर हिलाता है और मजबूत क़दमों से चलता हुआ जाता है।]

किम : बेटे, क्या तुम नहीं जाओगे ? देखो, और कौन-कौन मरे हैं ?

मूआन : मैं यह टेलीफ़ोन एक क्षण के लिए भी नही छोड़ सकता।

किम : शायद, मेरी पोती भी मर जाएगी। यह कैसी बेहूदा बात

है, वे हमसे हार रहे हैं, तो अब हमारे बच्चों को गैस से मार रहे हैं।

मूआन : कहावत है न कि पागल कुत्ता एक ही बार काटता है। यह उनका आख़िरी पागलपन है।

[विन्ह और उनके पीछे-पीछे ली ची और माओ आती हैं।]

किम : मेरी पोती का क्या हाल है? (विन्ह एक मिनट चुप रहते हैं) ओ सफ़ेद कपड़े वाले! मेरी पोती बची नहीं या अभी लड़ रही है?

विन्ह : अगर वह जाती ही है, तो जब जाएगी, मैं आपको बता दूंगा। मैंने उसे मॉर्फिया देकर सुला दिया है। (ज़रा रुककर) बेवकूफ़ी के सवाल न पूछो (कुछ देर चुप रहते हैं) मुझे मालूम नहीं है कि इसका इलाज क्या है। हाथ-पाँव सूज जाते हैं। सीने में दर्द होता है, शायद फेफड़ा फट जाता है। अगर हमें मालूम हो जाता कि वे कौन-सा गैस इस्ते-मान कर रहे हैं, तो (अचानक) नहीं, इस ख़्याल के बजाय का सब अन्दर है?

विन्ह : हु ! यह लगातार मी-मी मुझे परेशान कर देता है।
मूआन : वायला ड्रैप्यु रोग, पार्लेज ड्रैप्यु रोग, ज…हाजिर है।
विन्ह : ड्रैप्यु रोग ? लाल झण्डा ? यह लाल झण्डा कौन है ?

[मूआन हाथ उठाकर डाक्टर को बोलने से मना कर देते हैं। और लिखना शुरू कर देते है। माओ अचानक सुबक उठती है।]

किम : क्या बात है, बेटी ?
माओ : कुछ नही, कुछ भी नही। मैं उन बच्चों को देख रही थी—कैसे ठण्डे और निर्जीव हो रहे है।
विन्ह : ऐसी नर्सों का मेरे यहाँ कोई उपयोग नही है, जो काम के समय रोती हैं। मेरी प्यारी बच्ची, तुम्हारे लिए मेरी राय है कि तुम हनोई चली जाओ, क्योंकि तुम्हारी जैसी अजीब नर्स के साथ युद्ध के मैदान मे मैं शायद…
किम : (तीखेपन से) अपना मुह बन्द करो !
विन्ह : उसका पक्ष आप न लें, उसे दुलारकर न बिगाड़ें।
माओ : मैं…मैं…शायद थक गयी हूँ। मुझे काम करते हुए ४८ घंटे हो चुके हैं और…
विन्ह : यह तो सम्भव नही कि अमरीकी तुम्हारी सुविधा का ध्यान रखकर अपनी बमबारी का समय बदल देंगे या बमो की जगह चाकलेट गिरायेंगे। और तुम कहती हो कि मैं मार्क्स की रचनाएं पढती हूं।
किम : हो गया, हो गया ! अब आगे और कोई बात तुमने मुँह से निकाली, तो मैं तुम्हारी चूतड पर एक जड़ दूगी।
मूआन : (लिखना समाप्त करके) ओई ओई बीयेन छः त्रोह्म अन क्या—जनरल गीआप को देखो।
विन्ह : मैं उस बेहूदा यन्त्र को तोड़-फोड़ दूंगा।
मूआन : (बटन उठाकर खड़े होते हुए) मुझे ग्राम समिति की एक आवश्यक बैठक बुलाने का आदेश मिला है। मैं सदस्यों को बुलाऊंगा। और सुनिए, इस गैस का नाम है (अपने कागज

में देखते हैं) फे-ना-सा-जिक क्लोराइड । सूत्र एन एच सी०६ एच ४ एएस-सी-ई । मुझसे और कुछ न पूछे, वर्ना मैं आपके इन औजारों से आपका टेंटुआ दबा दूंगा ।

विन्ह् : (आश्चर्य से) क्या सूचना उस व्यक्ति से मिली है, जिसे आप लाल झंडा कहते है ?

मूआन : हां । आप वह यंत्र क्यों तोड़ेंगे ? उसका अपना उपयोग है, नहीं ?

[मूआन चले जाते है। विन्ह् अपने-आपसे कुछ बोलते हैं।]

विन्ह् : नर्स, तुमने सुना ? गैस का नाम ? अंग्रेज इसे एडामसाइट कहते है, अमरीकी इसे डीएम कहते हैं, ली ची, युद्ध का मेडिकल मैनुअल नं० 4 तो लाओ ।

[ली ची किताब लेने जाते हैं और माओ आगे बढ़कर काम में सम्मिलित हो जाती है।]

अगर तुम्हारा रोना-धोना समाप्त हो चुका है, तो फिलहाल तुम बैठकर नुस्खे लिखो।

[किम अस्पताल के अन्दर झांकने की व्यर्थ कोशिश करती हैं।]

यह आप क्या कर रही हैं ?

किम : (चौंककर) मैं…मैं…जरा एक नजर अपनी पोती को देखना चाहती थी।

विन्ह् : क्यों ? क्या आप डाक्टर हैं ! अगर आपने उन गन्दे जूतों के साथ अन्दर जाने का साहस किया, तो मैं आपको अमरीकी एजेंट की तरह गिरफ्तार करा दूंगा !

माओ : (किताब के एक पृष्ठ की ओर संकेत करते हुए) पा गयी ! वह यहां है ! एडामसाइट, वैसीकेटरी गैस।

[डाक्टर वह पृष्ठ पढ़ते हैं। मूआन थूई के आगे-आगे आते हैं। क्वान, ग्रान दूआइ और खोयेन आते हैं।]

थूई : उन्होंने स्कूल को बरबाद कर दिया है। जंगली !

किम : कोई बच्चा भी घायल हुआ है ?

बूई : नहीं।···क्या बात है, कामरेड मूआन ? मुझे आप यहां क्यों लाये ? उस भयंकर मलबे से शायद मैं कुछ बचा पाती— (अचानक कुछ याद करके) हे भगवान, माइक्रोस्कोप ! नन्ही थाई उसे ले जाने वाली थी।

[वह उछलकर भाग खड़ी होती है।]

मूआन : (उसे पकड़कर) बैठो !

बूई : आप नहीं समझते, कामरेड ! हमने खुद वह माइक्रोस्कोप बनाया था—

मूआन : नर्स, क्या तुम कृपाकर ताम को लाओगी ?

माओ : (काम करती हुई) कामरेड ताम आज की बैठक में उपस्थित नहीं हो सकते !

ताम : (अन्दर से चीखते हुए) कामरेड मूआन ! आप उस रणचंडी की बात पर विश्वास न करें ! मैं निस्सदेह बैठक में सम्मिलित हूंगा ! बस, आप मुझे इस बिस्तर से···ओह !

[मूआन ताम की मदद करने अन्दर जाने को होते हैं।]

विन्ह : बिना अनुमति के अन्दर जाने वाले को गोली मार दी जाएगी !

[मूआन लौट आते हैं।]

ली ची, तुम उस झुलसे हुए मी-मी करने वाले योद्धा को पहियेदार कुर्सी में बैठाकर यहा ला दो।

किम : ताम को क्या तकलीफ है ? गैस ?

माओ : नहीं, नापम।

[ली ची पहिएदार कुर्सी पर ताम को लाते हैं।]

ताम : आशा है कि वह आदरणीय महिला, मेरी पत्नी, यहा नहीं आयी है ?

मूआन : नहीं, जन-सेना पूरे दिन पहरे पर रहेगी।

ताम : लेकिन वह विशेष आदरणीय महिला, याने मेरी पत्नी, मुझे देखने के लिए अपनी चौकी से भाग आ सकती है। अगर वह

ऐसा करती है तो, कामरेड मूआन, आप उसे अपनी चौकी छोडकर भागने वालों की तरह गिरफ्तार कर लें। (ताम की बायीं आंख पर पट्टी बंधी है, इसलिए बड़ी मुश्किल से वह सहन की ओर देखता है।) चाची किम, आपको भगवान शान्ति दें !

किम : ताम, यह तुमने क्या कर लिया ? तुम तो अपने को बहुत कुशल योद्धा कहते थे, और अब देखो, तुमने कैसे अबोध की तरह अपने को घायल कर लिया ! (वह उसके पट्टी बांधे सिर पर हाथ फेरती है।)

ताम : ओफ़ ! आपको मुझे थपकना है, तो जरा धीरे-धीरे थपकें। मैं क्यों घायल हुआ, आपको बताऊं ? अपनी पत्नी के कारण जो आपकी भतीजी है। वह गर्भ के कारण इतनी भारी हो गयी है, जैसे भरा हुआ बोरा/और क्यो ?

विन्ह : अगर तुम्हें यहां बैठना है, तो तुम्हें चुपचाप बैठना होगा। अगर तुम बात करोगे, तो हमारे शान्तिपूर्ण काम में तुम जान-बूझकर खलल डालोगे और इस हालत में मैं तुम्हें एक शत्रु के एजेंट की तरह जेल में भरवा दूंगा !

[दूयेत फुर्ती से अन्दर आते हैं, वह ढीला-ढाला पायजामा पहने हुए हैं, उनका ऊपर का शरीर नंगा है, सिर पर मुक्ति सेना का टोप है। उनकी छाती पर एक सब मशीनगन लटका हुआ है। हर आदमी उसके पास दौड़कर जाता है।]

किम : तुम अच्छी तरह तो हो, दूयेत ?

बूई : क्या ख़बर है, कामरेड दूयेत ?

मूआन : पूरी समिति यहां हाज़िर है, कामरेड दूयेत।

खीयेन : भैया दूयेत, अभी थोड़ी देर पहले मैंने महज एक रायफल से एक अमरीकी विमान के पेट में गोली मार दी थी और···

त्रान : कामरेड दूयेत, मेरा प्रस्ताव है कि यह उद्दंड झूठा युवक जन-सेना से जान-बूझकर गलत ख़बर भेजने के लिए निकाल दिया

जाए। वह जहाज मैंने मार गिराया था और···

खोयेन : निकाल दिया जाए! त्रान दूआङ, जन-सेना को हुक्म देने का विचार तुम्हारे दिमाग मे कहां से आया? मुझें निकालोगे? ऊंटनी के अप्राकृतिक वेटे!

त्रान : कौन किसके माता-पिता का अपमान कर रहा है?

मूआन : चुप रहो! तुम दो मेरे क्षेत्र के धब्बे हो! तुम लोग 'हो-बो' युनिट के नाम पर कलंक हो!

माओ : कामरेड दूयेत, आप कुछ बिस्कुट लेंगे?

दूयेत : बेशक! खाने के लिए ही तो हम लोग बैठक अस्पताल में करते है (अट्हास करते हैं) सुनिए, कामरेड, एक नही, दो हवाई जहाज मार गिराये गये है।

[हर आदमी उल्लास से वाह-वाह करता है।]

ख्वान : डाकू निक्सन मुर्दाबाद!

दूयेत : एक हवाई जहाज को (खोयेन और त्रान दोनो कान लगाते हैं) इन दोनों कामरेडों ने मार गिराया था और दूसरे हवाई जहाज को (किम परेशान होकर अपना नाम न लेने के लिए हाथ हिलाती हैं।) इन पचहत्तर वर्ष की वियतनाम की दादी ने मार गिराया! (दूयेत उन्हें गोद में लेकर उठा लेते हैं। दूसरे लोग उल्लास से चीखते हैं।)

माओ : चाची किम, आपने हमे क्यो न बताया?

किम : अरे, वह तो अन्धे के हाथ वटेर लगने की तरह था, मुझे खुद मालूम नहीं था कि मैंने उसे मार गिराया है।

दूयेत : ये सायकिल पर घर जा रही थी कि इन्होने खेतों पर झुकते हुए हवाई जहाज को देखा। ये सायकिल से उतरी और इन्होंने हवाई जहाज को दाग दिया। फिर सायकिल पर चढी और घर की ओर चल दीं। इस विषय मे आप लोगो का क्या खयाल है।

किम : (विषय बदलने की कोशिश में) देखिए, मुझे जल्द-से-जल्द घर पहुंचना था। मेरी पोती अकेली घर में थी। उसका बाप

यानी मेरा बेटा मुक्ति सेना में है और उसकी माँ, यानी मेरी पुत्र-वधू जो गोरिल्ला सेनानिनी थी, पिछली गर्मियों में मार डाली गयी थी। इसलिए मैं जल्दी-से-जल्दी घर पहुंची और वहां मैंने क्या देखा, आप लोगों को मालूम है ? मेरी पोती की साँस उखड़ रही थी। वह जहरीली गैस का शिकार हो गयी थी। बेचारी पूपू···

दूयेत : सचमुच ? उसका क्या हाल है ?

माओ : वह जिन्दा रहेगी।

दूयेत : चाची किम, आप इन अन्ध-विश्वासी मूर्खों को बताइए कि आपकी उम्र में सायकिल पर चढ़ना कैसा लगता है ?

किम : (अपनी हथेली से दूयेत को मारती है) मैं तुमसे भी बेहतर सायकिल की सवारी कर लेती हूं।

दूयेत : आप हमें यह बताएं कि आपने बन्दूक चलाना कैसे सीखा ? (खोयेन और थान वहां से खिसकना चाहते हैं, लेकिन दूयेत उन्हें रोकते हुए कहते हैं) तुम दोनों बैठ जाओ और सुनो ! तुम लोग अपने को ही भारी तीरन्दाज समझते हो।

किम : अरे, मैं बन्दूक कहां चलाती हूं। वह कोई बन्दूक चलाना हुआ मैं तो केवल घोड़ा दबाना जानती हूं, बस।

दूयेत : सुनिए, इन महिला ने ७० वर्ष की आयु में पहली बार रायफल का स्पर्श किया। फिर रात को ये खेतों में जाती थी और वहां एक मोमबत्ती जलाकर उसके आगे एक लिफ़ाफ़ा खड़ा करती थी और वहां से छः कदम पीछे हट जाती थी। उस दूरी से निशान कैसा दिखायी देता होगा, आप लोग सोचिए—काले विस्तृत पर्दे पर रोशनी का एक बिन्दु। इस तरह इन्होंने गोली दागना सीखा। इसलिए मैं एक सरकारी चेतावनी की घोषणा करता हूं . निक्सन, सावधान, सायगान मत आओ, चाची किम के हाथ में एक रायफल है।

किम : क्या कहते हो ? कहावत है कि जो मरने के नजदीक है, उसे काम-धाम बन्द कर देना चाहिए। मेरे बेटो, मेरे दिन तो इने-

गिने हैं, मेरा लड़ाई में क्या उपयोग हो सकता है ?

दूयेत : अच्छा, चाची किम, 'छुआ' गांव में जब अमरीकी आये थे, आप उनकी कहानी हमें सुनाएं। आपको तो मालूम है, वे बच्चों को घसीटते रहे थे···

किम : दूयेत, मैं तुम्हें चेतावनी देती हूं।

सब लोग : सुनाइए, सुनाइए, चाची किम।

: सकोच न कीजिए, चाची किम।

: छ: गोलियों से इन्होंने सात अमरीकियों को मारा था।

किम : अच्छा, ऐसी बात है ? तो मैं कामरेड नगुएन थी माओ के विषय में कुछ स्पष्ट बातें कहना चाहूंगी, जिसमें आप सबको खूब मजा आएगा। सुनाऊं, माओ ?

[माओ पोली पड़ जाती है। वह किम का मुंह अपने हाथ से बन्द कर देती है।]

माओ : नहीं ! आप कुछ न कहें। आप कुछ भी नहीं कह सकतीं।

किम : (विजय की हंसी हँसकर) मधुमक्खी के छत्ते को मत छेड़ो, उसे छेड़कर तुम शहद नहीं पा सकते, ऐसी कहावत है न।

माओ : इस समय कहानी-वहानी कुछ नहीं ! बैठक की कार्यवाही शुरू हो।

दूयेत : क्या बात है ? तुम्हारे साथ कोई धांधली हो रही है क्या ?

खान : क्या बात है, बहन माओ ? क्या तुम्हारी जिन्दगी में ऐसी कोई बदनामी की बात हुई है, जिसे तुम छिपाना चाहती हो ?

[खान कामुक हंसी हँसता है।]

माओ : आप क्या खाएंगे ?

दूयेत : चावल, और क्या ? अब बैठक की बात हो, मूआन।

मूआन : अच्छा तो, कामरेड, आप लोग तैयार हो जाएं। नक्शे और कागज यहां लायें।

[दूयेत और मूआन नक्शों का अध्ययन करने के लिए एक कोने में चले जाते हैं। माओ उस मेज पर जाती है जहां डा० विन्ह काम में लगे हुए हैं। ली थो परस्-

नलियों को उनके सामने सजाते हैं ।]

विन्ह : (बिना उसकी ओर देखते हुए) क्या बात है, काम पर आ गयी ?

माओ : वे खाना चाहते हैं। मैं उन्हें कुछ खाना दे दूं ?

विन्ह : नहीं, खाना नहीं है।

माओ : गोरिल्ला लोग थक गये है।

विन्ह : गोरिल्ला लोगों को भोजन देने की जिम्मेदारी 'हो-बो' गांव पर है, 'हो-बो' के अस्पताल पर नहीं। यह सर्वमान्य नियम है कि गोरिल्ला लोग अस्पतालों को खाना पहुंचाते है, न कि यह कि वे लोग अस्पतालों का खाना चट कर जाते हैं।

माओ : ठीक है, लेकिन आपको मालूम है कि हमारे पास काफी खाना है, और उसमें से हम कुछ दे सकते हैं। कामरेड दूयेत ने आज बड़ी ही ज़ोरदार लड़ाई लड़ी है।

[वह भांडार की चाभी विन्ह से छुपाकर उठा लेती है।]

विन्ह : दूयेत के लिए यह तुम्हारी याचना मुझे आवश्यकता से अधिक और अश्लील मालूम होती है। ठीक बताओ, क्या बात है ? क्या उससे शादी करने का तुम्हारा इरादा है ?

[सब लोग हँस पड़ते हैं। बूई के अशिष्ट संकेत पर माओ जीभ चिरा देती है।]

बूई : तो यही चाची किम का गुप्त अस्त्र था ! माओ, यह सब कबसे चल रहा है ? तुम तो बड़ी गहरी निकलीं !

विन्ह : मैं अनिच्छापूर्वक ही भाण्डार की चाभी तुम्हें दे रहा हूं। (वह मेज पर चाभी नहीं पाते। माओ अपने हाथ में चाभी उठाकर उसे बजाती है।) लो, तुमने पहले ही चाभी चुरा ली थी ! ठीक है, तुम्हें अपने प्रेमी को खाना खिलाना है, तो ज़रूर खिलाओ ! लेकिन मेरी राय है, गोकि मैं जानता हूं, मेरी राय बिलकुल बेकार है, कि तुम कटोरों को भरते समय दरिया-दिली से काम न लेना। वह चावल रोगियों के लिए है, तुम्हारे

गिने हैं, मेरा लड़ाई में क्या उपयोग हो सकता है ?

दूयेत : अच्छा, चाची किम, 'छुआ' गांव में जब अमरीकी आये थे, आप उनकी कहानी हमें सुनाएं। आपको तो मालूम है, वे बच्चों को घसीटते रहे थे···

किम : दूयेत, मैं तुम्हे चेतावनी देती हू।

सब लोग : सुनाइए, सुनाइए, चाची किम।

: सकोच न कीजिए, चाची किम।

: छः गोलियों से इन्होने सात अमरीकियों को मारा था।

किम : अच्छा, ऐसी बात है ? तो मैं कामरेड नगुएन थी माओ के विषय मे कुछ स्पष्ट बातें कहना चाहूंगी, जिसमें आप सबको खूब मजा आएगा। सुनाऊं, माओ ?

[माओ पीली पड़ जाती है। वह किम का मुंह अपने हाथ से बन्द कर देती है।]

माओ : नही ! आप कुछ न कहें। आप कुछ भी नही कह सकतीं।

किम : (विजय की हंसी हंसकर) मधुमक्खी के छत्ते को मत छेड़ो, उसे छेड़कर तुम शहद नही पा सकते, ऐसी कहावत है न।

माओ : इस समय कहानी-वहानी कुछ नही ! बैठक की कार्यवाही शुरू हो।

दूयेत : क्या बात है ? तुम्हारे साथ कोई धांधली हो रही है क्या ?

त्रान : क्या बात है, बहन माओ ? क्या तुम्हारी जिन्दगी मे ऐसी कोई बदनामी की बात हुई है, जिसे तुम छिपाना चाहती हो ?

[त्रान कामुक हंसी हँसता है।]

माओ : आप क्या खाएंगे ?

दूयेत : चावल, और क्या ? अब बैठक की बात हो, मूआन।

मूआन : अच्छा तो, कामरेड, आप लोग तैयार हो जाएं। नक्शे और कागज यहां लायें।

[दूयेत और मूआन नक्शों का अध्ययन करने के लिए एक कोने मे चले जाते हैं। माओ उस मेज पर जाती है जहां डा० विन्ह काम में लगे हुए हैं। ली ची परख-

नलियों को उनके सामने सजाते हैं ।]

विन्ह : (बिना उसकी ओर देखते हुए) क्या बात है, काम पर आ गयी ?

माओ : वे खाना चाहते है । मैं उन्हे कुछ खाना दे दू ?

विन्ह : नहीं, खाना नही है ।

माओ : गोरिल्ला लोग थक गये हैं ।

विन्ह : गोरिल्ला लोगों को भोजन देने की जिम्मेदारी 'हो-वो' गांव पर है, 'हो-वो' के अस्पताल पर नही । यह सर्वमान्य नियम है कि गोरिल्ला लोग अस्पतालों को खाना पहुंचाते है, न कि यह कि वे लोग अस्पतालों का खाना चट कर जाते है ।

माओ : ठीक है, लेकिन आपको मालूम है कि हमारे पास काफी खाना है, और उसमें से हम कुछ दे सकते हैं । कामरेड दूयेत ने आज बड़ी ही जोरदार लड़ाई लड़ी है ।

[वह भंडार की चाभी विन्ह से छुपाकर उठा लेती है ।]

विन्ह : दूयेत के लिए यह तुम्हारी याचना मुझे आवश्यकता से अधिक और अश्लील मालूम होती है । ठीक बताओ, क्या बात है ? क्या उससे शादी करने का तुम्हारा इरादा है ?

[सब लोग हँस पड़ते हैं । बूई के अशिष्ट संकेत पर माओ जीभ दिरा देती है ।]

बूई : तो यही चाची किम का गुप्त अस्त्र था ! माओ, यह सब कबसे चल रहा है ? तुम तो बड़ी गहरी निकली !

विन्ह : मैं अनिच्छापूर्वक ही भाण्डार की चाभी तुम्हें दे रहा हू । (वह मेज पर चाभी नहीं पाते । माओ अपने हाथ में चाभी उठाकर उसे बजाती है ।) ओ, तुमने पहले ही चाभी चुरा ली थी ! ठीक है, तुम्हें अपने प्रेमी को खाना खिलाना है, तो जरूर खिलाओ ! लेकिन मेरी राय है, गोकि मैं जानता हूं, मेरी राय बिलकुल बेकार है, कि तुम कटोरों को भरते समय दरिया-दिली से काम न लेना । वह चावल रोगियों के लिए है, तुम्हारे

लड़के-दोस्तों में बांटने के लिए नहीं है !

[माओ तुरन्त अपने काम में खो जाती है।]

देखिए, कामरेडो, मेरी नर्स चोर है !

[यह भी अपने काम में खो जाते हैं।]

दूयेत : तो हमारी बैठक शुरू हो। यहीं ज़मीन पर बैठ जाएं।

विन्ह : मैं अधिक महत्त्वपूर्ण काम में व्यस्त हूं। तुम लोगों को तो केवल कागज़ों को खोलना और बन्द कर देना है।

दूयेत : क्या मुझे कोई यह बताएगा कि इस पागल के हाथों रोगियों को क्यों सौंपा जाता है ? यहां आइए !

विन्ह : (आकर) अच्छा, तो फिर जल्दी खत्म करो। क्या तुमको मालूम है कि क्लोरोसिस क्या होता है ?

दूयेत : नहीं।

विन्ह : मुझे मालूम था कि तुम्हें मालूम नहीं होगा। यह तुम्हारे समझ से परे है। क्लोरोसिस फ़सलों का एक रोग है जो अमरीकी अधिकृत 'गी रिन्ह' प्रान्त में, तीन वर्ष पहले, शुरू हुआ था। मेरी यह पक्की राय है कि अमरीकियों ने जान-बूझकर इस रोग को फैलाया है। इस समय मैं क्लोरोसिस से लड़ने के लिए एक धुआं देनेवाली चीज की खोज में लगा हुआ हूं।

दूयेत : मेरा विश्वास है कि आपको अपनी आवाज़ से बहुत प्रेम है ! कामरेडो ! आज सुबह की बमबारी अमरीकियों का साधारण, व्यर्थ की हत्या का खेल नहीं था। आज सुबह बड़े सवेरे उन्होंने बड़े पैमाने पर युद्ध छेड़ दिया है। वे आज रात तक 'हों-वो' पहुंच जाएंगे। नक्शे को देखें।

ख्वान : मैं···मैं नक्शे नहीं पढ़ सकता, कामरेड।

मूआन : मुझे इसे नक्शा पढ़ना सिखाना चाहिए था, लेकिन कामरेड, इधर समय ही नहीं मिला।

दूयेत : यह बेकार का और कायरतापूर्ण बहाना है। ख्वान, तुमने खुद चाची किम के पास जाकर क्यों न सीखा ? इन्होंने तुम्हें सिखा दिया होता। (ख्वान कोई जवाब नहीं देता, इस कारण दूयेत

का चेहरा गुस्से में लाल हो जाता है।) कामरेड थ्वान, तुम अपने को वियतनामी जन-सेना का सदस्य कहते हो ! तुम्हें अपने पर शर्म नहीं आती ?

किम : अब यह सीख लेगा, आप चिन्ता न करें ! यह सीखने के लिए कह रहा है, है न, थ्वान ? हमें इसे क्षमा कर देना चाहिए। आख़िर यह एक किसान है, किसान का बेटा है। पिछले वर्ष ही तो जूई ने इसे लिखना-पढ़ना सिखाया था।

दूयेत : मैं भी एक किसान और एक किसान का बेटा हूं। यह एक दम्भपूर्ण बहाना है। कामरेड थ्वान, तुमने अपने कर्तव्य की अवहेलना की है, इस गम्भीर अपराध के लिए···

किम : (दृढ़ता से) रुको, मैं कहती हूं ! (जरा ठहरकर) इसका बेटा आज ही मरा है।

दूयेत : (धक्का खाते हैं और अचानक आंखों में आ गये आंसुओं को बलात रोकने की कोशिश करते हैं।) क्या जूई···मर गया ? ···ओह, मुझे यह कैसे मालूम होता ?···मुझे ज़रूर···थ्वान, मेरे बड़े भाई···मुझे विश्वास है कि तुम नक्शे पढना जल्दी ही सीख लोगे।···अब सब लोग नक्शे की ओर देखें। मुक्ति सेना १७३वीं अमरीकी दस्ते से यहां लड रही है—व्राङ बाङ में। कास्त्रो दस्ते, यानी 'हो-बो' की गोरिल्ला-सेना को आदेश दिया गया है कि वह हर कीमत पर अमरीकी पैदल सेना को पूर्व में रोक रखे। यह अमरीकी सेना 'आन फू खान' से आगे बढ रही है। इस बीच अमरीकियों का तीसरा दल सीधे 'हो-बो' की ओर बढ़ा आ रहा है। इसीलिए यह बैठक बुलायी गयी है। तीसरे अमरीकी दल में प्रथम चलायमान घुड़सवार, जंगल की सेना २२, टैंक आदि से सज्जित उपसेना २ और द्वितीय नौ सेना के कुल मिलाकर २५०० फौजी हैं। उसकी शक्ति का यह हिसाब हमने लिख रखा है और मैं 'हो-बो' समिति के अध्यक्ष डा० वान विन्ह को सौंपता हूं।

[माओ सबके सामने भात से भरा एक-एक कटोरा

रखती है।]

विन्ह : अरे, मैं इसे अपने पास नहीं रखूंगा ! किसी बेख़बरी के क्षण में मैं इसे लैम्प जलाने के लिए इस्तेमाल कर डालूंगा ! इसलिए···नर्स ! इसे ले लो और अपने ब्लाउज में रख लो। अगर तुम इसे खो दोगी, तो मेरा कोई नुकसान न होगा, बल्कि मुझे तो कुछ फायदा ही होगा। तुमने अगर इसे खो दिया, तो मैं तुम्हें बन्द करवा दूंगा।···और इन छोटे-छोटे कटोरों में तुमने भात के पहाड़ क्यों बना रखे हैं ? क्या हमारे यहां युद्ध हो रहा है कि नहीं हो रहा है ? अच्छा, आगे कहें, कामरेड दूमेत !

थूई : मेरा एक सवाल है। अगर कास्वो दस्ता पूर्व की ओर चला जाएगा, तो 'हो-वो' में कौन लड़ेगा ?

ग्रान : जन-सेना लड़ेगी, और कौन लड़ेगा ?

खीयेन : बेशक ! जब मैं अपनी विश्वासपात्र रायफ़ल के साथ खड़ा हूंगा···

ग्रान : नहीं ! मेरा ऐसा खयाल नहीं है। अगर यह अपनी रायफल लेकर खड़ा होगा, चाहे वह विश्वासपात्र हो, या न हो, तो 'हो-वो' के लिए कोई आशा नहीं !

खीयेन : हां, 'हो-वो' की आशा तो तुम हो ! और तुम्हारा बाप भी, जो 'मीकाड' का सबसे बड़ा पियक्कड़ था, अपने दिनों में 'हो-वो' की आशा था ! 'हो-वो' की आशा तो तुम्हारे खान्दान की चीज है !

ग्रान : सबके सामने मेरे पिता का अपमान हो रहा है, कामरेड अध्यक्ष !

विन्ह : इन दोनों को बैठक से अभी निकाला जाता है। चलो, उठो, भागो यहा से !

[ग्रान और खीयेन भयभीत होते हैं।]

खीयेन : आपका क्या मतलब है ?

विन्ह : तुम अध्यक्ष की आज्ञा का उल्लंघन करते हो ?

त्रान : (अपने सिर पर मुट्ठी तानकर) ऐसी फासीस्ती आज्ञाओं का···

विन्ह : चुप रहो ! (त्रान दब जाता है) बेशक फासीस्तो ! तुम झगड़ालू किसान, न वर्ग-चेतना, न कोई सैद्धान्तिक समझ ! मिट्टी के घोंघे, गन्दगी के ढेर, प्रतिक्रियावादी, धोखे-बाज, अमरीकी !

किम : (अट्टहास करके) वे क्षमा मांग रहे हैं, कामरेड अध्यक्ष !

विन्ह : इनके मुंह से तो ऐसा मैंने कुछ भी नही सुना है ।

किम : क्षमा मांगो ।

त्रान : मुझे क्षमा करें !

विन्ह : वह दूसरा क्षमा नहीं मांग रहा है !

किम : चलो, मांगो !

क्षीयेन : मुझे भी क्षमा करें !

विन्ह : बैठ जाओ ! अब जो बोल रहे थे, वे बोलें ।

वूई : मैं कह रही थी कि जन-सेवा शायद २५०० अमरीकी नौसेना और टैंकों से लैस सेना से न लड सके । फिर 'हो-त्रो' की रक्षा कौन करेगा ?

दूयेत : मैं योजना को ठीक-ठीक आपके सामने रखता हूं । लाल झंडा का सुझाव है कि 'हो-त्रो' पहले अपनी रक्षा नही करेगा, बल्कि शान्ति से आत्म-समर्पण कर देगा और इन्तजार करेगा ।

ध्वान : लेकिन वे मार डालेंगे···और बच्चे मार डाले जाएंगे···हमारा यह सुन्दर गांव, जिसका निर्माण हमने अपने खून से किया है···

मूआन : मेरा यह विश्वास नही है कि जनता का खून कभी भी सूखेगा ! हम फिर 'हो-त्रो' का निर्माण कर लेंगे ।

वूई : लेकिन क्या कास्त्रो दस्ते के लिए पूरब जाना आवश्यक ही है ?

दूयेत : यह आवश्यक है, मेरी छोटी बहन ! हमारा स्तालिनग्राद दस्ता 'थाऊ दाऊ माय' जंगल से होकर तेजी से चला आ रहा है । लेकिन इसे कुछ समय लगेगा । और जब तक कि स्तालिन-

कि योजना को गुप्त रखा जाए।

थूई : मैं सहमत हू।

त्रान : कोई भी क्षुद्र व्यक्ति जो एक ग्राम समिति की बैठक में गुप्त सैनिक कार्यवाहियों के विषय में बहस करना चाहता है, निश्चय ही वह एक दोगला आदमी होगा।

थोयेन : मैं अध्यक्ष का ध्यान इस बात की ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि यह आदमी मेरे पिता की नैतिकता पर उंगली उठा रहा है।

विन्ह : (उनकी बात की ओर ध्यान न देकर) कामरेड ताम, आप अपनी राय दें।

[ताम कोई जवाब नहीं देता। माओ उस पर झुक कर उसकी जांच करती है।]

माओ : हे भगवान, यह तो बेहोश हो गया है।

विन्ह . (कूदकर) आप लोग ये बैठक करके मेरे रोगियों की जान ले रहे है।

[वे उसकी पहियेदार कुर्सी को ढकेलकर अन्दर ले जाते हैं। माओ उनके पीछे-पीछे जाती है। दरवाजे पर रुककर विन्ह कहते हैं…]

विन्ह : कामरेड किम मेरी जगह पर अध्यक्षता करेंगी।

दूयेत : कामरेडो, उन लोगो के साथ एक मार्ग-दर्शक है और वे जंगल से होकर करीब आधी रात को यहा पहुंचेंगे। आप लोग अपने सारे अस्त्र-शस्त्र छिपा लें, कामरेड किम उन्हें संभालेंगी। मैं साफ-साफ बता देना चाहता हूं कि आप लोगों को भयंकर यातना और हिंसा का सामना करना पड़ेगा। लेकिन, कामरेडो, ये हत्यारे तो यहा या और कहीं जानें लेते ही। आप लोग यह बात याद रखें कि उनकी मार को अपने सिर पर लेकर आप लोग दक्षिण वियतनाम के अन्य गावों के लोगो की जानें बचा रहे है। गर्व के साथ आप यह याद रखें और बाजों की तरह सीटी बजने का इन्तजार करें। मूआन मेरे साथ जाएंगे

और बिलकुल ठीक समय पर हम लोग लँक के नेतृत्व में हमला करेंगे। कामरेडो, गोरिल्ला किसानिनों के गर्भ से उत्पन्न होते हैं और उनका जीवन किसानों से उसी प्रकार प्रवाहित होता है, जैसे पहाड़ों से नदी। आप लोग हम पर विश्वास रखते हैं और अपना सर्वस्व बलिदान करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि आप लोगों का विश्वास हम पर है। आप लोगों के इस विश्वास के कारण हमें ऐसा गर्व और उल्लास महसूस हो रहा है कि मैं कास्त्रो गोरिल्ला सेना के दस्ता-सेनापति कामरेड लँक और प्रत्येक गोरिल्ला की ओर से आप लोगों को एक गम्भीर आश्वासन देता हूं कि उन २५०० अमरीकी डाकुओं में से एक भी 'हो-बो' से जीवित लौटकर नहीं जाएगा। राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा ज़िन्दाबाद ! अध्यक्ष हू थो ज़िन्दाबाद ! स्वतन्त्र वियतनाम ज़िन्दाबाद !

[ये नारे धीमी आवाज में दिए जाते हैं और जवाब के लिए नहीं हैं।]

त्वान : कास्त्रो गोरिल्ला दस्ता ज़िन्दाबाद ! दल-सेनापति कामरेड दूयेत ज़िन्दाबाद !

दूयेत : दस्ता सेनापति कामरेड लँक ज़िन्दाबाद !···ज़रा पानी दो। अपने जीवन में मेरा यह सबसे लम्बा भाषण था।

[माओ आती है और पानी के लिए जाती है। थिन्ह भी तुरन्त आ जाते हैं और काम पर बैठ जाते हैं।]

थिम : हर आदमी अपनी-अपनी चौकी पर पहुंच जाए। सभी हथियार, झण्डे, बिल्ले और कागज-पत्र एक घन्टे के अन्दर किसान मोर्चा कार्यालय को पहुंचा दिए जायं। बूई, मेरी नन्ही बेटी, तुम समिति के हर सदस्य के पास जाओ और उनके यहां से हथियार और कागज-पत्र उठा लाओ। तुम मेरी सायकिल ले सकती हो।

बूई : नहीं, नहीं ! सायकिल आप जैसी जवान महिलाओं के लिए

जरूरी है। वड़े भैया दूयेत, आप खुश रहें ! अगर अमरीकियों ने मेरे साथ बलात्कार न किया, तो मैं स्वस्थ और प्रसन्न रहूंगी और आपके लौटने पर आपका स्वागत करूंगी।

[हर आदमी हंसता है। थूई जाती है।]

ग्रीयेन : कामरेड दूयेत, आप कोई भी चिन्ता न करें, जैसे ही आप सीटी बजाएंगे, बाज झपट्टा मारेंगे।

ध्वान : भाई दूयेत, मेरा सुझाव है कि आप इस आदमी की घमंडपूर्ण बातों पर ध्यान न दें, क्योंकि जैसा कि अनुभव है, युद्ध-भूमि में इस आदमी के काम शत्रुओं को ही सहायता पहुंचाते हैं, हमें नहीं।

ग्रीयेन : अच्छा ! और मेरा खयाल है कि सभी हवाई जहाजों को तुम्हारे उस मृत बाप ने ही मार गिराया है, जो कि जिले की सभी औरतों के लिए चाहे वे क्वांरी हों या विवाहिता, एक आतंक था।

[दोनों झगड़ते हुए, देह मांजते हुए, एशिया के गांवों के खाये-पिये भले किसानों की तरह बाहर जाते हैं।]

ध्वान : मैं आपको वचन देता हूं कि मैं नक्शे पढ़ना सीख लूंगा।

दूयेत : सुनो, बड़े भैया, मुझे बड़ा अफसोस है। मुझे उस तरह तुम्हें नहीं डांटना चाहिए था, जबकि तुम्हारा बेटा, मेरा नन्हा जूई⋯खैर, मुझे माफ कर देना, क्योंकि आज मैं खुद अपने होश में नहीं हूं।

ध्वान : मुझे मालूम है। आपकी वह गूंजने वाली हंसी आज सुनाई नहीं पड़ी, भैया ! क्या बात है ?

दूयेत : मुझे अभी खबर मिली है कि अमरीकियों ने 'नाम कान' में पिछले हफ्ते मेरे भाई को मार डाला है।

[ध्वान गले मिलकर जाता।]

किम : (थूआन और दूयेत का एक-एक हाथ पकड़कर) तुम दोनों हर चीज पर पूरा ध्यान रखो। तुम्हें पूरा सावधान रहना

चाहिए। तुम लोगों को अपने दिमाग पर थोड़ा ज्यादा गरूर है। तुम लोगों को यह बात याद रखनी चाहिए कि जो गोरिल्ला मारा जाता है, वह श्रेष्ठ गोरिल्ला नहीं होता। श्रेष्ठ गोरिल्ला तो हर हालत में शत्रुओं से अपने को बचा ही लेता है।

मूआन : यह तो आप बिलकुल नयी बात कह रही हैं। हमारी युद्ध-पुस्तक में यह बात नहीं है।

क्मि : ऐसा नहीं हो सकता। हां, यह दूसरी बात है कि मेरी इस बात को उन्होंने कहीं अधिक विद्वत्तापूर्ण शब्दों में लिखा हो। भला किसी गोरिल्ला की गर्द को भी दुश्मन क्यों पाएं? जब गोरिल्ला हमला करें तो क्या दुश्मन को एक भी गोली चलाने का अवसर मिलना चाहिए? हर्गिज नहीं! इसलिए गोरिल्ला अगर श्रेष्ठ है तो वह कभी भी नहीं मारा जा सकता। यह बात उसी तरह साफ है, जैसे किसी बुद्धिमान का चेहरा।

[अचानक वे माओ को दूयेत का इन्तजार करते देख लेती हैं। तब वे मूआन को लेकर बहाना बनाती हुई वहां से हट जाती हैं।]

सुनो, मूआन, मुझे तुमसे अकेले में कुछ बातें करनी हैं।

माओ : क्या तुम 'आन फू काइन' तक जाओगे?

दूयेत : यह बताने की मुझे अनुमति नहीं है।

माओ : मुझे एक पिस्तौल चाहिए।

दूयेत : क्यों?

माओ : अगर कोई अमरीकी मुझे छुए तो मैं उसका सिर उड़ा देना चाहती हूं।

दूयेत : (हंसता है) उसके बाद क्या होगा, मेरी प्यारी लड़की? तुम्हारे व्यक्तिगत प्रतिकार की क़ीमत पूरे गांव को खून से चुकाना पड़ेगा।

माओ : तुम्हारा क्या मतलब है? क्या बलात्कार किये जाने ... हमें उन्हें नहीं मारना चाहिए?

दूयेत : बेशक, हम उन्हें मारेंगे ! हम सब लोग मिलकर उन्हें मारेंगे जब समय आएगा। लेकिन कोई अकेले किसी अमरीकी को नहीं मारेगा। यह निर्णय हो चुका है कि जब तक वह समय नही आएगा, हम उन्हें नही मारेंगे, नही···?

माओ : वह समय कब आएगा ?

दूयेत : यह बताने की मुझे अनुमति नही है।

माओ . क्या तुम मेरी ओर से कामरेड लैंक से निवेदन करोगे कि वह जितनी जल्दी हो सके यह काम करें ? शायद उन्हें इस बात का एहसास नही है कि अमरीकी अधिकृत क्षेत्रों में खासकर जवान औरतों को कैसे खतरे उठाते पड़ते हैं। वे विवाहित नही हैं न ?

दूयेत : नही।

माओ : हा, मैं समझ सकती हू। अविवाहित लोग यह बात बिलकुल नही समझते। उदाहरण के लिए तुम···तुम भी नही समझते।

दूयेत . *माओ, मैं तुम्हारा सन्देश अपने सेनापति तक पहुंचा दूंगा।* जरा इधर आओ।

[वह उसे अपने लम्बे-लम्बे हाथों में एक बच्ची की तरह ले लेते हैं।]

मैं तुम्हे एक कहानी सुनाता हू, एक छोटी-सी कहानी। कुछ हफ्ते पहले एक दिन कामरेड लैंक, मूआन और मैं भिक्षुओ के भेष में 'चू छी' शहर घूमने गए। वहा हम एक अमरीकी अफसरो के क्लब के पास पहुचे। गर्मी बहुत थी, इसलिए उन्होने कमरे की दो खिड़कियो पर से बालू के बोरे हटा दिए थे। हमने एक खिड़की से अन्दर देखा। वहाँ दीवार पर आधा दर्जन छोटी-छोटी, सिकुड़ी हुई चीजें टंगी थी, जो मुझे चमड़े की थैलियों-सी लगी। लैंक ने अपने भिक्षा-पात्र में एक नन्हा कैमरा रख छोड़ा था, उन्होंने उन चीजो की तस्वीर खीच ली। तुम उसे खुद देखो। (चूतड़ की जेब से एक तस्वीर निकालकर दिखाते हैं) यह क्या है, तुम बता सकती हो।

(माओ सिर हिलाती है) ध्यान से निरीक्षण करके हम इस परिणाम पर पहुंचे हैं कि ये औरतों की छातियां हैं।

[माओ भय से मुंह खोल देती है।]

तुम डर गयीं? कामरेड माओ, क्या अभी तक तुम अपनी सारी कमजोरियों को दूर नहीं कर पायी हो? वियतनाम की औरतों को अब डर से क्या लेना-देना है, मेरी दोस्त? अमरीकियों ने उन औरतों की छातियां काट डाली हैं जिनके साथ उन्होंने बलात्कार किया है और उन छातियों को इनाम के तमगों की तरह दीवारों पर टांग रखा है। आंसू और कांपते हुए दिल आज मूर्खों के मजाक की तरह मालूम होंगे। तुम्हें जानना चाहिए कि वैंक को अच्छी तरह मालूम है कि हमारे यहां जवान औरतों पर क्या बीत रही है! विदा, मेरी प्यारी, हम जल्दी ही फिर मिलेंगे।

[डा० विन्ह की मेज पर जाते हैं।]

हम अब चलते हैं डाक्टर। सावधान रहिएगा। आपका मिजाज जरा गर्म है। वे जो भी करें, आप गोली न चलाइयेगा।

किम : ये गोली कैसे चला सकते हैं? आपका खयाल है कि मैं रायफलें इनके पास रहने दूंगी?

दूयेत : कामरेड वैंक आपसे स्वयं सम्बन्ध स्थापित करेंगे। वे बताएंगे कि आपको लड़ाई कब शुरू करनी है। हम अमरीकियों को दो भागों में बांट देंगे और उन्हें अलग-अलग नष्ट करेंगे।

विन्ह : (दूयेत को घूरते हैं) क्यों, शुद्ध जल की जगह हम वर्षा का जल इस्तेमाल नहीं कर सकते?

दूयेत : (चौंककर) क्या?

विन्ह : मुझे क्लोरोमिस के इलाज के लिए शुद्ध जल की आवश्यकता है। लेकिन आपका शानदार देश-भक्तिपूर्ण संघर्ष ऐसा है कि शुद्ध जल एक वर्ष में भी प्राप्त करने की आशा व्यर्थ है—लगता है कि आप लोग अपना ही समय लेते हैं। यह क़रीब-

क़रीब बदनामी की बात है कि आप लोग अपढ मुआकी अमरीकियो के एक झुण्ड को भगाने मे दसियों साल लगा रहे हैं। इसलिए मैं वर्षा का जल इकट्ठा करने की सोच रहा था, ताकि···अरे, मेरी नर्स कहाँ गयी ? क्या वह दूयेत के साथ जंगल मे चली गयी ? (अचानक दूयेत को देखकर) ओ, तुम तो यहाँ हो! मुझे एक क्षण के लिए ऐसा लगा कि तुम मेरी नर्स को भगा ले गये ! और मेरी नर्स को जरा देखो, क्या यह अपने मे है ? सुनो, नर्स, क्या तुम मुझे बता सकती हो कि तुम वर्षा का जल इकट्ठा करने की क्यों नही सोच रही हो ? आखिर मैं ही सब कुछ क्यों सोचूं ?

माओ : कितनी शर्म की बात है, डाक्टर, शायद आपने कामरेड दूयेत की बातें सुनी ही नही। यहां पूरे युद्ध पर बहस हो रही थी और आप···

विन्ह : कामरेड दूयेत को युद्ध की चिन्ता है, मेरे लिए तो चिन्ता का विषय वलोरोसिस है। श्रम का क्रान्तिकारी विभाजन यही तो है!

[दूयेत, मूआन और किम हँसते हैं]

दूयेत : हम जा रहे हैं, कामरेड विन्ह !

विन्ह : अच्छा, लेकिन एक मिनट। सिग्रेट लोगे ?

दूयेत : अगर तम्बाकू के सूखे पत्ते से आपका मतलब है, तो नहीं।

विन्ह : क्या मजाक की बात करते हो। मैं तुम्हे रूसी सिग्रेट दे रहा हूँ, मारबोर्का। चूंकि तुम जगलो मे हमारे पवित्र किन्तु घृणित पूर्वजो की तरह रहते हो, इसलिए तुमने ऐसी सिग्रेटें देखी भी न होंगी। ये सिग्रेटें एक अर्द्ध-औपनिवेशिक पिछड़े हुए देश के किसानों की कल्पना के भी परे है। (दूयेत एक सिग्रेट लेते हैं) लो, ले लो, तुम ललचायी आँखों से देख रहे हो, पूरी डिब्बी ही ले लो। मूआन, तुम यह डिब्बी लो।··· अच्छा, ये पाच, सात, आठ, अच्छा, मैं झिक-झिक नही करूँगा— गोरिल्लों के लिए ये दसो डिब्बियाँ ले लो। उनसे कहना कि

महान सोवियत जनता ने ये सिग्रेटें 'हो-बो' अस्पताल के रोगियों के लिए भेजी थी, लेकिन अस्पताल के महा उदार डाक्टर ने इन्हें गोरिल्लों को दे दिया। और कामरेड व्रेंक के लिए यह पाइप...अरे, कहां पड़ी है कमबख्त...यह रही वह पाइप और तम्बाकू की थैली, यह जैकोस्लोवाकिया की जनता की भेंट है। तुम अब तुरन्त चले जाओ, वर्ना, मैं पूरा अस्पताल ही तुम लोगों को दे डालूंगा ! इस समय मुझे अचानक उदारता का दौरा आया है !

किम : यह बहुत ही अच्छा रहा, तुम लोगो को जंगलों मे ये सिग्रेटें कहाँ मिलेंगी ? और कामरेड व्रेंक को ये सिगार भी दे देना, दे दोगे न ? उनसे कह देना कि ये सिगार अमरीका की जनता की भेंट हैं।

मूआन : आपका क्या मतलब है ?

किम : पिछले हफ्ते मैंने इन्हे 'छूआ' मे एक अमरीकी अफसर की जेब मे पाया था। एक तुम लो, तुम दोनो पी लेना, बाकी कामरेड व्रेंक को दे देना। बूढे लोग कहते हैं कि बूढा दिमाग जानता है कि क्या करना है, क्योंकि वह जवानो से तिगुना अनुभवी होता है। कामरेड व्रेंक को मालूम है कि इन सिगारों का क्या करना है। तुम लोग इस रास्ते में मत पीना, मैं सावधान कर देती हूँ।

[मूआन और दूयेत बाँध से होकर, नदी के पार जंगलों की ओर चले जाते हैं। किम माओ को अपनी गोद में सटा लेती हैं, माओ अपनी आँखों से बहते आंसुओं को रोकने की कोशिश करती है।]

किम : रो लो, मेरी नन्ही बेटी, अच्छी तरह रो लो ! रोने मे कोई शर्म की बात नही, क्योंकि रो लेने के बाद, मैं जानती हूँ, तुम अमरीकी डाकुओं को कुत्तों की तरह गोली से उड़ा दोगी !

माओ : नहीं, मैं अब कभी भी न रोऊँगी ! आँसू मूर्खों के मजाक की तरह लगते हैं !

किम : यह आतंक समाप्त होगा, मेरी नन्ही बेटी, क्योंकि पूरे संसार के पैमाने पर डाकुओं के दिन करीब-करीब लद गये हैं। धानों के खेत फिर बालियों से लद जाएँगे, माताओं के पाँव फिर भारी होंगे और हो ची मिन्ह का चेहरा, जो आज क्रुद्ध है, फिर मुस्कराएगा। अब हमें तुम जवान लड़कियों की जल्दी शादी कर देनी है।

माओ : (क्वारियों की लज्जा से) जाइए !

किम : (गम्भीरता से) हमें बच्चों की जरूरत है, मेरी नन्ही बेटी ! हत्यारे कितनों को ही मार रहे हैं। फिर खेतों और लड़ाई के मैदानों में कौन काम करेगा ? जल्दी ही हमारा देश वियतनाम फिर मजबूत, हट्टे-कट्टे जवानों की माँग करेगा और वियतनाम की माँओं को उस माँग की पूर्ति करनी पड़ेगी। दूयेन तुमसे ब्याह करेगा। मैं वूई और मूआन के ब्याह की भी सोच रही हूँ, लेकिन मूआन इस बात पर कान ही नहीं देता। उसकी पत्नी कितनी सुन्दर थी ! अमरीकियों ने, तुम तो जानती हो, उसे मार डाला था, और अब मूआन किसी लड़की की ओर नजर ही नहीं उठाता, कैसा चिड़चिड़ा और हठी हो गया है वह लड़का ? कभी-कभी मैं सोचती हूँ कि वूई के साथ वँक का ब्याह कर दूँ, लेकिन पहले मैं वँक को अपनी आँखों से देख लेना चाहती हूँ कि यही उसकी उम्र बहुत अधिक तो नहीं है। देखो तुम लोगों को मरने से पहले वियतनाम के लिए बच्चे जन लेने हैं। तुम शान्त होओ ! अब मैं जाऊँगी, कितना काम करना है !

[कोने से सायकिल उठाकर वह जाने लगती हैं। ली ची उनकी पोती पूपू को अपनी गोद में लाते हैं, उसकी आँखों पर भारी पट्टियाँ बँधी हैं। ली ची मुस्कराते हैं और किम की ओर संकेत करते हैं कि बच्ची को जरा प्यार कर दें।]

पूपू : दादी ! दादी, तुम कहाँ हो ?

[इस पर कई युद्धों की वीरांगना, अमरीकी नौ-सैनिकों के लिए आतंक, किम एक्सुयेन की आँखों से अचानक आँसू फूट पड़ते हैं। लेकिन वह बच्ची से बात करने के पहले अपने पर काबू पा लेती हैं। वह साय-किल एक ओर खड़ी कर देती हैं और बच्चे को गोद में लेने को होती हैं, तो उनकी छाती पर लटका रायफ़ल बीच में आ जाता है। वह रायफ़ल का कुन्दा एक ओर कर देती हैं और बच्ची को अपनी छाती से लगा लेती हैं।]

किम : यह तुम्हारी दादी रही, मैं ही हूँ, पूपू !

विन्ह : (चीखते हैं) किस अपराधी ने इस बच्ची को बिस्तर से उठाया है ? निस्सन्देह वह मेरी मूर्ख नर्स ही होगी।

[ली ची बच्ची को लेने आगे आ जाते हैं।]

किम : अच्छे बनो, पूपू, है न ? जब तुम्हारी आँखों पर से पट्टी खुल जाएगी, तो तुम रायफ़ल लेकर बाहर जाओगी। है न ?

पूपू : जब मेरी आँखों से पट्टियाँ खुलेंगी तो मैं अपनी मां को देखूँगी न ? मेरी मां कहाँ है ?

किम : माँ ? तुम्हारी माँ तो तुम्हारे पास नहीं आ सकती, मेरी प्यारी बच्ची ! तुम्हारी माँ को किसने मारा था ?

पूपू : अमरीकियों ने।

किम : जब तुम मेरे साथ बाहर चलोगी तो क्या करोगी ?

पूपू : अमरीकियों को मारूँगी।

किम : यह ठीक है।

पूपू : मैं अमरीकियों को मारूँगी तो माँ मेरे पास आकर मुझे गाना सुनाएगी न ?

किम : हाँ, पूपू, जब तुम बहुत-सारे अमरीकियों को मारोगी, तो तुम्हारी माँ आएगी और तुम्हें गीत सुनाकर सुलाएगी।

विन्ह : अगर बच्ची को तुरन्त उसके बिस्तर पर न पहुँचाया गया, तो मैं खुद गाने लगूंगा और मेरा स्वर किसी को भी पसन्द न

आएगा।

[ली ची पूपू को अन्दर ले जाते हैं।]

किम : यह अपनी माँ का गाना नहीं भूल पाती। इसकी मां कितना अच्छा गाती थी !

[किम अपनी सायकिल ढकेलती हुई बाहर जाती हैं। माओ रेडियो चला देती है और विन्ह के साथ काम पर बैठ जाती है। रेडियो पर वियतनाम का फ़सल गीत आने लगता है—"हँसिया तुम्हारे हाथ और भरी बन्दूक बगल में।"]

विन्ह : एक सभ्य आदमी इस शोर में कैसे काम कर सकता है ?

माओ : आप तो हमेशा कहते रहते है कि बिना संगीत के कोई भी काम नहीं कर सकता।

विन्ह : अच्छा। अब तुम धुआं करने वाली दवा के लिए आवश्यक चीजों को लिखो—निकोटाइन, रोटिनोन, पाइरायुम, पाराडिक्लोरोबेंजिने, पेट्रोलियम आयल इमलशन, साबुन···

[दिन का दूसरा हवाई हमला शुरू होता है। ऊपर उड़ते हुए जेटों का शोर और कहीं पास ही राकेटों के फटने से मेज पर की परख-नलियां हिलती हैं और आपस में टकराकर बजती हैं।]

ली ची, रेडियो की आवाज़ तेज़ कर दो।

[वियतनाम का गीत बम फटने की आवाज से समाप्त होता है।]

हाइड्रोजन सायानाइड, कार्बन डिसल्फाइड, कारबन टेट्राक्लोराइड···

[पास ही बम फटता है और ऊपर का जाल फटकर अजीब शकल में नीचे लटक आता है। आकाश जलती हुई झोपड़ियों और हवाई जहाजों को मारने वाली गोलियों से लाल हो उठता है। इस पृष्ठ-भूमि में अपने हाथ में परख-नली लिये हुए डा० विन्ह एक

विशाल मूर्ति की तरह दिखाई देते हैं।]

साम्राज्यवाद के विरुद्ध साम्यवाद ! जंगलवाद के विरुद्ध सभ्यता, अमरीका के विरुद्ध वियतनाम !

['हो-बो' के ऊपर आकाश लाल हो उठता है। अमरीकी पहुंच गये हैं। पास ही कहीं से मशीनगन की आवाजें आती हैं। फिन्ने, ह्वीलर, काफमैन, नाइट और मार्ग-दर्शक मदाम लान हू आकर डा० विन्ह, खियेन, ग्रान, दूआङ् बू थी सुन, नगुयेन थी माओ और किम एवसुयेन के सामने खड़े हो जाते हैं। उनके पीछे नौ सेना का एक दल है।]

फिन्ने : इतने थोड़े लोग ही क्यों ? क्या यही पूरी ग्राम-समिति है ? मुझे विश्वास नहीं होता।

लान हू : क्या और भी सदस्य नहीं हैं ?

विन्ह : पूरी ग्राम-समिति में सात सदस्य हैं। तुम लोग अमरीका की इतनी अच्छी सेवा कर रहे हो, इसलिए यह बात तुम लोगों को मालूम ही होनी चाहिए !

फिन्ने : अध्यक्ष कौन है ?

विन्ह : मैं हूँ। मेडिसिन का डाक्टर, वान विन्ह आपकी सेवा में हाज़िर है !

फिन्ने : हर आदमी सुनो ! डर की कोई बात नहीं है। अगर तुम लोग हमारे साथ सच्चाई का व्यवहार करोगे, तो डरने की कोई भी बात नहीं है। अमरीकी सेना निहत्थे नागरिकों पर गोली नहीं चलाती।

[इसी क्षण मशीनगन से गोलियां चलने लगती हैं और चीखने की आवाजें आती हैं।]

ह्वीलर : (मुस्कराते हुए) वाह ! यह कितना नाटकीय है ?

फिन्ने : (अपने से ही क्षुब्ध) हम अस्पताल की तलाशी लेंगे। अगर यहाँ कोई शुबहे का कागज पाया जाएगा, तो हम समझ लेंगे कि तुम लोग हमारे साथ सच्चाई का व्यवहार नहीं कर रहे

हो, उस स्थिति में हमारी नर्मी और सही व्यवहार की बात खत्म हो जाएगी।

[वह काफमैन, नाइट और अपने दो सैनिकों को अस्पताल के अन्दर भेजता है।]

ह्वीलर : हम सवालखानी कब शुरू करेंगे ?

फिन्ने : मैडम हू !

लान हू : सवालखानी से कोई फ़ायदा न होगा, क्योंकि कोई एक शब्द भी न बताएगा। यह कोई ज़रूरी भी नहीं है, क्योंकि मुझे लैंक और दूयेत का पता मालूम है।

ह्वीलर : फिर भी हमें सवालखानी तो करनी ही है। ये कुछ न भी बताएँ, तो कोई बात नहीं।

लान हू : आप लोग सचमुच लैंक को पकड़ना चाहते हैं कि नहीं ?

फिन्ने : उसे तो जरूर-जरूर हम पकड़ना चाहते हैं।

लान हूं : तो फिर एक घण्टा रुकें और इन्तज़ार करें। जंगल के फ़ौजी और चलायमान घुड़सवार योजनानुसार मेरे साथ चलेंगे। हमें एक मिनट भी नहीं खोना चाहिए, क्योंकि गोरिल्ले अपने छिपने की जगह बराबर बदलते रहते हैं।

ह्वीलर : लेकिन, हमारे आधे फौजियों के तुम्हारे साथ चले जाने के बाद कहीं 'हो-बो' पर हमला हुआ, तो फिर क्या होगा ?

लान हू : फिर भी एक हज़ार से अधिक फ़ौजी आपके साथ होंगे। क्या आप लोग मुझे यह बताना चाहते हैं कि इतने फौजी 'हो-बो' पर अपना अधिकार नहीं जमाये रख सकते ?

फिन्ने : क्यों नहीं, इतने यहाँ के लिए काफ़ी होंगे। मार्क !

[एक नीग्रो एक कोने में रेडियो की मशीन लगा रहा है। नाइट और काफमैन स्कूल की किताबों के साथ आते हैं।]

नाइट : एक माओ त्से-तुङ०, चार लेनिन और बहुत सारा कूड़ा।

ह्वीलर : उन्हें जला दो। (बिन्ह के एक कदम आगे आने पर) मुझे क्षमा करें, डाक्टर, आप भले बने रहें !

[किताबें इतनी जल्दी और निपुणता से जला दी जाती हैं कि मालूम होता है कि कप्तान नाइट इस काम में बहुत अनुभव प्राप्त कर चुका है।]

ह्वीलर : (मेज पर से) और यहां क्या हो रहा था ? प्रयोग ? किस चीज़ का, मैं पूछ सकता हूं ? किसी जहर का क्या ?

विन्ह : जहर, जहरीली गैस, बैक्टरिया, क्लोरोसिस की तरह दूसरी पेचीदा वैज्ञानिक वस्तु बनाना अकेले अमरीकी डाक्टरों का काम है। हम लोग सीधे-सादे देहाती लोग हैं और इसलिए हम लोग क्लोरोसिस से लड़ने का प्रयत्न कर रहे हैं।

ह्वीलर : अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो मैं आपके इन नोटों को देखना चाहूँगा। मैं केमिस्ट्री का ग्रेजुएट हूँ—हारवर्ड विश्वविद्यालय से। मुझे अनुभवहीन नहीं समझा जा सकता।

[थोड़ी देर तक कोई नहीं बोलता। इस बीच किताबें जलती-चिटखती रहती हैं और फिन्ने ला हून के साथ जाने वाले मार्ग का नक्शा बनाता है।]

थूई : ये स्कूल के पुस्तकालय की पुस्तकें हैं। इन्हें जलाने से क्या फ़ायदा ?

नाइट : स्कूल खुद ही जल चुका है, बहन, अब इन किताबों को बचा रखने का क्या अर्थ होगा ?

विन्ह : आप लोगों का माओ और लेनिन को जलाना समझ में आता है और इसके लिए आप लोगों के पास तर्क भी हो सकता है। लेकिन क्या आप लोगों ने दूसरी किताबों के नाम भी देखे हैं ? आप लोगों में से कोई फ्रांसीसी पढ़ सकता है ?

काफमैन : अब, अब तुम इतने चुस्त न बनो !

विन्ह : आप लोगों ने बाइबिल को भी जला दिया है !

काफमैन : (धक्का खाकर) बाइबिल ?

विन्ह : और शेक्सपीयर का हेमलेट भी ?

थू : साथ में अमरीकी कवि वाल्ट ह्विटमैन को भी !

नाइट : जलने दो उन्हें !

विन्ह : एक ही दार मे मानव सस्कृति को जला डालना कोई मामूली बात नही हैं, कप्तान ! मैं आपको बधाई देता हूँ ! आपने तोलस्तोय के 'युद्ध और शान्ति' को भी जला दिया है। मुझे याद है, नाजियो ने भी ऐसा ही किया था और वे भी बाइविल को बरदाश्त न कर सकते थे।

काफमैन : (अचानक डाक्टर के पेट में घूसा मारकर) मैंने कहा था कि तुम इतने चुस्त मत बनो ! पीले सूअर के बच्चे !

[विन्ह चोट से दुहरे होकर झुक जाते हैं।]

खीयेन : उन पर हाथ छोडने का दुस्साहस मत करो !

[किम उसे पीछे खींच लेती हैं। सार्जेंट ट्रेवर ली ची को घसीटता हुआ लाता है, जिसका चेहरा कटा-फटा है और उससे खून बह रहा है।]

फिन्ने : क्या हुआ ?

ट्रेवर : जब चौकीदारो ने इसे ललकारा तो इसने कोई जवाब ही नही दिया। यह एक शब्द भी मुह मे नही निकाल रहा है।

विन्ह : तुम ठीक कहते हो, ये नही बोलते, ये गूंगे है। दो वर्ष पहले जब तुम लोगो ने बमबारी की थी, ये मलबे मे दब गये थे, तभी से ये गूंगे हो गये। ये मेरे सहायक डाक्टर ली ची है।

फिन्ने : मुझे अफ़सोस है।

विन्ह : अरे, आपको अफसोस है ? फिर तो कोई खास बात नहीं है। इनके शरीर पर चोट की कोई खरोंच भी नही है।

[विन्ह और माओ ली ची को एक कुर्सी पर बैठाते हैं और उसके घावों को साफ करने लगते हैं।]

व्हीलर : (अचानक और तेजी से) डाक्टर, आप मुझे यह बता सकते है कि आपने यहाँ क्लोरोपिक्रीन की माग क्यो की है ? क्या आप क्लोरोसिस के विरुद्ध किसी विस्फोट से लड़ना चाहते हैं ?

विन्ह : आपने किस विश्वविद्यालय का नाम लिया था, जिसमे आप

पढ़े हैं ?

ह्वीलर : हारवर्ड ।

विन्ह : क्या हारवर्ड में क्लोरोपिक्रीन को विस्फोटकों मे रखने का कायदा है ? शायद हमें गलत पढ़ाया गया है । मेरे प्रोफेसर तो हमेशा कहते थे कि क्लोरोपिक्रीन एक धुआँ देने वाला पदार्थ है, जिसका साधारण काम कीड़ों-मकोड़ों पर असर डालना है ।

ह्वीलर : (*दांत पीसता है*) मुझे *आपकी पढ़ाई या आपके विश्वविद्यालय* से कुछ लेना-देना नहीं है । मैं तो यही जानता हूँ कि हम कोई भी खतरा मोल नहीं ले सकते । इसलिए, अगर आप मुझे माफ करें…

[यह अपने छोटे मशीनगन के दस्ते को परखनलियों के पास लगाता है और उससे मारकर सभी परखनलियों को तोड़-फोड़ देता है । ग्रामवासियों पर आतंक छा जाता है ।]

विन्ह : हारवर्ड से आपने विज्ञान के लिए जो सम्मान प्राप्त करने का तरीका सीखा है, उसके लिए मैं आपको बधाई देता हूँ ।

माओ : यह सरासर मूर्खता है ! बिलकुल अर्थहीन ! आपका क्या खयाल है ? आप क्या विज्ञान को समाप्त कर देना चाहते हैं या और कुछ ?

ह्वीलर : (उसकी बात की ओर ध्यान न देकर अस्पताल में बीच [illegible] की ओर देखते हुए) इस एक घोड़े वाले गांव में [illegible] लोगों के पास बड़ा ही जबरदस्त अस्पताल है ।

माओ : एक घोड़े वाले से आपका क्या मतलब है, [illegible] क्योंकि हम लोग अमरीकी भाषा नहीं जानते । [illegible] सामान समाजवादी जर्मनी द्वारा भेंट किया गया है । [illegible] इन्हें नष्ट कर देंगे तो वे और भेज देंगे ।

फिन्ने : तैयार हो जाओ, अब काम शुरू करने का [illegible] मार्क, तुम्हारे हाथ में कमान है । [illegible]

संकेत और देव-लेंग ।

नाइट : भगवान की आप पर कृपा हो, श्रीमान !

विन्ह : बाइबिल तो आपने जला दिया, फिर ऐसा कैसे होगा ?

ह्वीलर : मैडम लान हू, आप ट्रंक को अपने साथ पकड़ लाने का वचन देती है ?

लान हू : मैं आपको कोई वचन देने के लिए बाध्य नहीं हूं। आप हैं कौन ?

ह्वीलर : आप ट्रंक को ला दीजिए, फिर देखिएगा कि मैं सचमुच कौन हूं।

विन्ह : मैंने तो पहले ही देख लिया है ।

ह्वीलर : आपकी अन्तर्दृष्टि की मैं प्रशंसा करता हूं ।

[फिन्ने, लान हू और काफमैन अब जाने वाले हैं ।]

थान : इस रंडी ने अमरीकियों के हाथ अपने को बेच दिया है।

[जैसे धक्का खाकर सब चुप हो जाते हैं ।]

लान हू . क्या तुमने कुछ कहा है ?

[किम संकेत करके थान को चुप करा देती हैं, लेकिन लान हू देख लेती है ।]

और किम एक्सुयेन है न ?

किम . (ठंडे स्वर में) आपको मेरा नाम कैसे मालूम है ?

लान हू : तुम सब लोग मेरे पिता के खेतों पर काम करते थे। मैं ट्रंक को लेकर वापस आऊंगी, तो एक-एक कर तुम लोगों से मिलकर मुझे खुशी होगी ।

किम : अगर मैं कास्त्रो गोरिल्ला दस्ते को जानती हूं, तो मैं तो यही कह सकती हू, श्रीमती, कि आप लौट ही न पाएंगी ।

लान हू : हम देखेंगे ।

[लान हू, फिन्ने और काफमैन जाते हैं । मंच के बाहर से तरह-तरह की कमानों की आवाजें आती हैं । ह्वीलर अपना टाकी उठाता है ।]

ह्वीलर : (वाकी-टाकी में) जाल-कार्यवाही के पहले चलायमान पड़-

ही समझते होंगे कि संगीत क्या होता है ?

ह्वीलर : मैं बिलकुल अनाड़ी नहीं हूँ।

विन्ह : बेशक नहीं, श्री हारवर्ड !

ह्वीलर : आप लोग अधिकतर कौन स्टेशन सुनते हैं ?

विन्ह : जहाँ से भी अच्छा संगीत आता है और जो भी आसपास का स्टेशन यह घर का बनाया हुआ रेडियो पकड़ लेता है।

ह्वीलर : जैसे ?

विन्ह . सायगान, हनोई, मुक्ति रेडियो, जो भी मिल जाए, लेकिन हमारा कोई खास चुनाव नहीं होता।

नाइट . जो हो, मैं घंटियों की तरह टनटनाता और कुत्तों की तरह गुर्राता वियतनामी संगीत नहीं सहन कर सकता !

विन्ह : आप समझ ही नहीं सकते ! लेकिन जहाँ तक मेरा सवाल है, मैं घंटियों की तरह टुनटुनाता और कुत्तों की तरह गुर्राता, दोनों प्रकार का संगीत सुनना अपना फर्ज समझता हूँ। जिसे आप कुत्तों का गुर्राना कहते हैं, वह बीथोवेन, बाख, ब्राह्म्स की ही तरह सुन्दर संगीत होता है। पिछली रात हनोई ने अपने वाद्यकारों द्वारा ब्राह्म्स द्वितीय प्रसारित किया था। यों ही मैं पूछ रहा हूँ, क्या आप जानते हैं कि ब्राह्म्स क्या होता है ?

[नाइट का चेहरा शर्म से लाल हो उठता है।]

माओ हुश ! डाक्टर ! आप बहुत आगे चले जाते हैं।

विन्ह : (उसकी बात पर ध्यान न देकर) उस रेडियो के पीछे ब्राह्म्स के कुछ बहुत अच्छे रेकार्ड रखे हुए हैं। आप चाहें तो उन्हें भी जला डालें।

नाइट : (खड़े होकर) सुनो, पीले कु···

[ह्वीलर के हँसने से उसकी बात कट जाती है।]

ह्वीलर हे भगवान, आप डाक्टर हैं या व्यावसायिक गायक !

[कर्नल का आदमी टिन के प्यालों में काफी भर के लाता है और प्यालों को हर आदमी के हाथ में थमा

होगा।

[माओ अन्दर जाती है।]

विन्ह : इस बीच हम संगीत सुनें तो कैसा ?

[वे रेडियो के पास जाकर घुण्डी को उस वक्त तक घुमाते रहते हैं जब तक कि यूरोपीय क्लासिक संगीत पियानो पर नहीं आने लगता।]

ह्वीलर : यह कौन स्टेशन है ?

विन्ह : मुझे नहीं मालूम। अच्छा संगीत स्टेशनों के परे है। यह बीथोवेन है।

ह्वीलर . ओह, यह तो बड़ा ही करुण है।

विन्ह : (ह्वीलर के व्यक्तित्व के तनिक चक्कर में पड़कर) बेशक, श्री हारवर्ड !

[संगीत धीरे-धीरे खत्म होता है।]

रेडियो उद्घोषक : आप रेडियो हनोई सुन रहे हैं। वही जन-कलाकार लाओ थ्येन-या अब फ्रेडिच चोपिन का एक क्रान्तिकारी गीत पियानो पर बजा रहे है।

[चोपिन के स्वर में जैसे योरोप की क्रान्तिकारी आत्मा गा उठती है। इस पर ह्वीलर आप ही हँसता है और प्रशंसा में सिर हिलाता रेडियो के पास जाता है।]

ह्वीलर : मैं खुद भी पियानो बजाता हूं। एक समय ऐसा समझा जाता था कि मैं एक बहुत अच्छा पियानोवादक बनूँगा और समारोहों मे मेरे कार्यक्रम होंगे। यह बहुत पहले की बात है। लेकिन आज भी जब मैं अच्छा पियानो बजते हुए सुनता हूँ, तो मेरी उँगलियाँ नाचने लगती है। यह लाओ टियेन-मा अच्छा बजा रहा है।

[कहकर वह रेडियो को उठाता है और उसके तारों को नोच लेता है और उसे जमीन पर पटक देता है और पास के सैनिक से एक रायफल लेकर रेडियो को बिलकुल तोड़-फोड़ देता है।]

ह्वीलर : चोपिन तो बिलकुल गनगना देने वाला है। (वह बैठ जाताहै और सिग्रेट की एक डिब्बी निकालता है) अमरीकी सिग्रेट, डॉक्टर ? (डाक्टर इस क्षण अवाक् हैं) हमारी काफ़ी बेहूदा होती है, लेकिन हमारी सिग्रेट ?

विन्ह : सेंका हुआ अमरीकी तम्बाकू मेरे लिए अधिक कड़ा होता है।

ह्वीलर : और कोई लेगा ? (ग्रामवासी अस्वीकार करते हैं) अच्छा, महिलाओ ! मुझे सिग्रेट पीने की अनुमति दो ! (सिग्रेट जलाता है) रेडियो हनोई योरोपीय क्लासिकों के सम्मान के विषय में उदार और आदर्श है। यह बड़ी ही दिलचस्प बात है। लेकिन इससे भी ज्यादा दिलचस्प यह बात है कि इस समय दो बजने में पांच मिनट बाकी हैं, इसका मतलब यह हुआ कि लाओ टियेन-मा के विदेशी क्लासिकों को सर्वहारा रूप देने के प्रशंसापूर्ण प्रयत्नों के बाद, पांच मिनट के अन्दर, रेडियो पीकिङ्ग वियतनाम पर अपना रात का विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत करेगा। मुझे अफ़सोस है कि आप लोग उसे नहीं सुन सकते।

[माओ काफ़ी लाती है। ह्वीलर एक प्याला उठाता है। नाइट तुरन्त उसके पास आ जाता है, वह आश्चर्य में है कि ऐसा खतरा कर्नल कैसे ले सकते हैं।]

ह्वीलर : मैं तुम्हारा नाम जान सकता हूं, कुमारी ?

माओ : नगुयेन थी माओ।

ह्वीलर : तुम थोड़ी काफी क्यों नहीं लेती, कुमारी माओ ? यह बेहतरीन क्यूबाई काफी है !

[खामोशी। ह्वीलर अपना प्याला माओ के होंठों के पास ले जाता है। वह एक चुस्की ले लेती है। ह्वीलर थोड़ी देर उसका निरीक्षण करता है, फिर मुंह बजाता है। और तब पीने लगता है।]

यह सचमुच बेहतरीन है !

नाइट : वैसे ही प्याले भी हैं। बड़े अजीब हैं, निस्सन्देह गांव में ही

बने होंगे।

विन्ह : नहीं, ये अमरीका के बने है।

ह्वीलर : (अपने प्याले को देखते हुए) आपका क्या मतलब ?

विन्ह : एक तरह से ये अमरीकी हैं। ये नापम बम की खोल से बनाये गये हैं···देखें, कर्नल, आप अपनी काफ़ी न गिरा दें।

निग्रो : सुनो, रोलिंग स्टोन, सुनो, रोलिंग स्टोन, तुम अच्छी तरह सुन रहे हो न ? अच्छा। (वह सन्देश को सुनता है) सम्बन्ध स्थापित हो चुका है, कर्नल, वे ठीक जा रहे है। कोई घटना नहीं घटी है।

ह्वीलर : बहुत अच्छा है कि कोई घटना नहीं घटी। अगर कोई घटना घटी, तो हमारे ये मेहमान उसके ज़िम्मेदार होंगे। (हँसता है)

[सार्जेण्ट ट्रेवर आता है।]

ट्रेवर : तलाशी पूरी हो गयी, कर्नल। इन चीजों के अतिरिक्त (कागजों का एक पुलिन्दा देता है) और कोई शुबहे की चीज नहीं पायी गयी।

ह्वीलर : यह अच्छा रहा। कुछ नहीं मिला, यह अच्छा रहा। अगर कुछ मिलता, तो ये भले लोग उसके लिए जिम्मेदार होते। डाक्टर विन्ह, क्षमा करें, अब हम जामा-तलाशी लेंगे। मेहरबानी करके सब लोग अन्दर चले जाएं।

विन्ह . अमरीका में क्या कायदा है ? क्या वहां मर्द लोग औरतों की जामा-तलाशी लेते हैं ? मैं कोई आलोचना नहीं कर रहा हूं, यह महज मेरी जिज्ञासा है।

ह्वीलर : औरतें अन्दर जाकर आराम से बैठ सकती हैं। हम लोग औरतों को कभी नहीं छूते।

माओ : (अचानक) हां, आप लोग सिर्फ उनकी छातियां इनाम की चीजों की तरह काट लेते हैं !

[यह एक बम फटने की तरह काम करता है। किम आतंकित होकर माओ को अपनी ओर खींचती है।

ह्वीलर एक क्षण माओ को घूमकर देखता है।]

ह्वीलर : सार्जेण्ट ट्रेवर, तुम इन्हें अन्दर ले जाओ, चलो ! इन सज्जनों की अच्छी तरह जामा-तलाशी लो, लेकिन महिलाओं को मत छूना। लगता है कि ये अमरीकी तरीका सीखना चाहती हैं !

[ट्रेवर और सैनिक ग्रामवासियों को अन्दर ढकेलने लगते हैं।]

नर्स नागुयेन दी माओ को अन्दर मत ले जाओ, मैं इससे कुछ बातें करना चाहता हूं।

[ट्रेवर माओ को पंक्ति से बाहर खींचता है, बाक़ी को अन्दर कर देता है। किम जाते हुए माओ पर चिन्तापूर्ण दृष्टि से देखती हैं। विन्ह मंच से जाने के बाद भी बोलते रहते हैं।]

विन्ह : सार्जेण्ट, इतना मैं जरूर कहूंगा कि अमरीकी औरतें बहुत अधिक रंग इस्तेमाल करती हैं। भगवान ने उन्हें एक चेहरा दिया है और वे दूसरा चेहरा खुद बना लेती हैं। क्या तुम्हें यह चीज कभी दिखायी दी है ? उदाहरण के लिए, तुम्हारी बीवी कितना रंग पोतती है ?

[आखिर उनकी आवाज सुनायी देने के परे चली जाती है।]

ह्वीलर : बैठो, नागुयेन दी माओ !

माओ : (खड़ी-खड़ी) आप हमारे नाम का ठीक-ठीक उच्चारण क्यों नहीं कर सकते ? मेरा नाम नगुयेन थी माओ है।

ह्वीलर : तुम यह तो मानोगी ही कि तुम लोगों के नाम बड़े ही गड़बड़ होते हैं। नगुयेन थी माओ ! हर दूसरी वियतनामी लड़की को थी क्यों कहा जाता है ?

माओ : 'थी' माने बड़ी बहन। 'वा' छोटी बहन को कहते हैं 'न्हात' घर के सबसे छोटे बच्चे को क[illegible] नामों के रहस्य के बारे में आप क्यों प[illegible]

क्या आप भी पुराने डाकुओं की तरह अपने इन जीते समुद्र-तटों से कोई दुलहिन ले जाना चाहते हैं ?

ह्वीलर : मैं एक दुलहिन लूंगा, इसमें कोई भी सन्देह नहीं, किन्तु उसे मैं कहीं ले न जाऊंगा, क्योंकि मेरा विचार यह देश छोड़ने का नहीं है, कुमारी माओ ! मैं इसी देश में रहूंगा।

माओ : यह तो कठिन होगा।

ह्वीलर (हंसते हुए) अभी थोड़ी देर पहले तुमने अचानक हम पर एक दोष मढ़ा था कि हम इनाम की चीज की तरह औरतों की छातियां काट लेते हैं। यह बात तुम्हें किसने बतायी, कुमारी माओ ?

माओ : मैं जानती हूं।

ह्वीलर : पीकिङ और हनोई में कम्युनिस्टों द्वारा उड़ाया गया यह भी एक हमारे ऊपर झूठा लाछन होगा।

[माओ घृणापूर्ण मुस्कुराहट मुस्कराती है।]

क्या मैं तुम्हारा हाथ अपने हाथ में ले सकता हूं ?

माओ : हर्गिज नहीं !

ह्वीलर : तब तो यह काम मैं तुम्हारी अनुमति लिये बिना ही करूंगा। ऐसा मैं इसलिए नहीं करूंगा कि मैं तुम पर मुग्ध हूँ—गोकि मैं तुम पर संयोग से मुग्ध हूँ···बल्कि एक दूसरे ही उद्देश्य से करूंगा। एक तरह से, तुम यों समझो, मैं तुम्हारी जामा-तलाशी लूंगा। तुम अपना हाथ मुझे दे रही हो कि मैं इसे ले लूं ?

[माओ अपना हाथ खींचे रहती है। ह्वीलर उसकी उंगलियों के पोरों को ध्यान से देखता है।]

मुझे हमेशा इसके रहस्य पर आश्चर्य हुआ है। ऐसे मुलायम, सुन्दर, पीले हाथ, लेकिन रायफल का घोड़ा दबानेवाली उंगली अधिकतर सख्त और नीलापन लिए हुए। वियतनाम की हर लड़की की उंगली ऐसी ही होती है।

माओ : फिर तो आप बहुत-सारी वियतनामी लड़कियों को देख चुके हैं।

हैं। इस बीच नीग्रो, जिसके चेहरे पर वायरलेस यंत्र की नन्ही लाल बत्ती की रोशनी पड़ रही है, निर्भाव रूप से अपना काम जारी रखता है।]

नीग्रो : रोलिंग स्टोन पेइटन प्लेम की सुनो ! रोलिंग स्टोन पेइटन प्लेम की सुनो ! रोलिंग स्टोन आओ, आओ, रोलिंग स्टोन समाचार दो, रोलिंग स्टोन…

काफमैन की आवाज : पेइटन प्लेस सुनो ! रोलिंग स्टोन बोल रहा है ! बिच्छू से अभी तक कोई सम्बन्ध स्थापित नहीं हुआ। वी क्यू आर की स्थिति पच्चासी गुणे छिहत्तर…

नीग्रो : रोजर यहां सब शान्त है, कप्तान। (जरा देर रुककर, अपने चारों ओर देखकर) सब बिलकुल शान्त।

ह्वीलर : चौकीदार, रोशनी करो !

[चौकीदार छायादार रोशनी घुमाता है। माओ जमीन पर पड़ी है, उसके कपड़े फटे और उलझे हुए हैं। वह पीड़ा से अधिक क्रोध में कराह रही है।]

उठो, कुमारी माओ, वर्ना जमीन पर तुम्हें ठंड लग जाएगी। इस समय तो एक जोरदार क्यूबाई काफी का प्याला चाहिए।

[माओ कराहती है, कोई जवाब नहीं देती।]

कुमारी माओ, तुम्हें समझना चाहिए कि वह औरतों की छातियां काटने वाली कहानी चीनियों की कल्पना है। अपने ही मामले में देखो, हमने तो वैसा नहीं किया।

[नाइट की नजर जमीन पर पड़े एक कागज के टुकड़े पर पड़ती है। वह उसे उठा लेता है।]

नाइट : जरा इसे देखें तो, कर्नल।

[कागज पर नजर पड़ते ही ह्वीलर बैठ जाता है।]

ह्वीलर : (नाइट के सुनने के लिए पढ़ता है) "प्रथम चलायमान घुड़सवार…दो दस्ते…कमान फिन्ने के हाथ में…बारूदी ताकत…दो मशीनगन, चार एलएमजी, चार लपटें फेंकने वाले…"

विन्ह : कर्नल ह्वीलर, एक डाक्टर की हैसियत से विवश होकर मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आपको सूजाक तो नहीं है ? मैंने सुन रखा है कि यह रोग अमरीकियों में फ़ैशन की तरह व्याप्त है । दूसरे शब्दों में, मैं यह कहना चाहता हू कि आपने माओ के शरीर के प्रति जो अपनी प्रशंसा बलपूर्वक व्यक्त की है, उस पर मुझे कोई आपत्ति नहीं है ! मेरा खयाल है कि आपके इस व्यवहार से असभ्य एशियाई लोग सभ्य अमरीकी जीवन के ढंग सीखेंगे ! लेकिन अगर आपको सूजाक है, तो मैं इस लड़की को एक सूई लगाऊंगा ।

ह्वीलर : डाक्टर विन्ह, यह महिला एशियाई स्त्रीत्व के नाम पर कलंक है, क्योंकि यह झूठ बोलती है और हमारी नम्रता का बदला इसने धोखेबाजी से चुकाया है । अब आप ही न्याय करें । मैंने आपके सामने ही कहा था कि हम औरतों की तलाशी नहीं लेंगे, कहा था कि नहीं ? अब आप ही बताइए, औरतों के प्रति हमारे अमरीकी सम्मान के जवाब में एक शीलवान एशियाई कुमारी की तरह इस लड़की को अपनी ब्लाउज में रखी हुई चीज हमें सौंप देनी चाहिए थी कि नहीं ? लेकिन इसने वैसा न किया । यह उसे खा गयी ! **(वाकी-टाकी में)** सार्जेंट ब्रोमली, नौसैनिकों की एक टुकड़ी तुरन्त भेजो··· यहां नंगे नाच का खेल शुरू हो रहा है ।···डाक्टर विन्ह, आपकी औरतों ने हमारा विश्वास खो दिया है, इसलिए हमारे सामने कोई दूसरा चारा नहीं है । हम उनकी तलाशी लेंगे ।

विन्ह : उसी तरह जैसे आपने अभी मेरी नर्स की तलाशी ली है ?

किम : ओ छोकरे, मैं ७५ वर्ष की हूं, तुम्हारी दादी के बराबर ! मैं इस नन्ही लड़की की तलाशी ले रही हूं, तुम देखते रहो । उसके बाद मैं स्वयं अपने कपड़े उतार दूंगी और उन्हें तुम्हारे सामने फैला दूंगी, तुम उन्हें देख लेना । हमें छूने की तुम्हें जरूरत न पड़ेगी ।

पड़ोगी, तो तुम लोग लड़ोगी कैसे ? कुमारियो की मर्यादा और स्त्रियों की प्रतिष्ठा हमारे युद्ध मे विजयी होने के बाद ही हमे प्राप्त होगी, क्योंकि परतंत्रता मे सतीत्व की रक्षा असम्भव है। अगर तुम स्वतंत्र नही हो, तो समझो कि तुम्हारा सतीत्व पहले ही भ्रष्ट कर दिया गया है। इसलिए आज मैं कहती हूं कि हमारे यहा वही औरतें सच्ची, सती और साध्वी है जिनके साथ हमारी स्वतंत्रता के शत्रुओ ने बलात्कार किया है ! उससे बढकर महान कोई नही है, जिसने अपने देश के लिए अपनी इज्जत की कुरबानी दी है ! (वह माओ को चूमती है) माओ, आओ चलें।

ह्वीलर : क्या मैं जान सकता हूं कि आपने अभी क्या कानाफूंसी की है ? क्या आप लोग ट्रैंक और डूयेट के पास खबर भेजने की योजना बना रही हैं कि वे वीरो की तरह आकर आपकी रक्षा करें ?

किम : नही, कर्नल, नही ! हम तो इतने सारे सैनिकों के चेहरों को याद रखने की तरकीब सोच रही है, ताकि बाद मे हम उनमें से एक-एक से बदला ले सकें।

ह्वीलर : (हँसता है) सैनिकों को क्यों ? वे तो केवल आज्ञाओं का पालन कर रहे है। आप लोगों के लिए केवल मेरा चेहरा याद रखना काफी होगा !

थूई : उसे तो हम भुला ही नही सकते, कर्नल, क्योंकि वह बेहद बदसूरत है !

किम : (अपनी जैकेट खोलते हुए) हम तैयार हैं।

ह्वीलर : कोलिन ! (नाइट औरतों को बाहर ले जाता है। वाकी-टाकी मे) सज्जनो, हम सांड़ो को छोड़ रहे हैं ! सांडों से लड़ने वाले अपनी खैरियत की चिन्ता करें !

[*बाहर से जंगली उल्लास और सीटियों की आवाजें आती हैं और ये आवाजें धीरे-धीरे आदिम चीखों में बदल जाती हैं। अचानक थूई चीख उठती है।*]

ह्वीलर : (वाकी-टाकी में ही) बस, बस, अधिक जोश मे मत आओ !

उसे छोड दो ! (विन्ह से) उनसे मैं ऐसे व्यवहार की आशा न करता था, आप मुझे क्षमा करें ! मेरा तो यह ख्याल भी न था कि वे पीली औरतों को अपने लट्ठों से छुएंगे । बेचारे औरतों के भूखे हैं !

विन्ह : सभ्यता की भलाई के लिए आप उन्हें आदेश दें, कर्नल, कि वे पीली औरतों के साथ आज़ादी से खुलकर खेलें। आपको श्वेत जाति का बोझ ढोना है, ठीक है न ? हमें सभ्य बनाएं, कर्नल, सभ्य, सभ्य !

[वे ज़मीन पर मुट्ठी मारते हैं। उनकी आंखों से आंसू बहने लगते हैं। दूसरे आदमियों के सिर भी व्यर्थ के आक्रोश और लज्जा से गड़ जाते हैं। अचानक स्यान को लगता है कि अब वह बर्दाश्त नहीं कर सकता।]

स्यान : ओ अमरीकी कुत्ते ! ओ अमरीकी सूअर ! तुम्हें इसका जवाब देना होगा !

[वह ह्वीलर पर हमला करता है। लेकिन ट्रैवर अपनी रायफ़ल के कुन्दे से उसके सिर पर चोट करके ज़मीन पर गिरा देता है।]

ह्वीलर : (वाकी-टाकी में) बस, सर्कस अब खत्म करो, उन्हें अन्दर लाओ, कोलिन !

विन्ह : (ट्रैवर से) सार्जेंट, तुमको उसे ज़ोर से मारना चाहिए था, अभी तो उसका सिर फूटा ही नहीं है !

[किम और बूई अपनी जैकेट के बटन बन्द करती हुई आती हैं। बूई के चेहरे की चोट से खून बह रहा है। क्षोभ से उसके नथुने फूल रहे हैं। मर्द उन्हें सहारा देकर माओ के पास ले आते हैं।]

बूई : इसका दाग पड़ जाएगा, नहीं ?

किम : इससे तुम्हारी सुन्दरता और बढ़ जाएगी !

नाइट : तलाशी का परिणाम सुनें, श्रीमान् ! औरतों के जिस्म कोई भी शुबहे की चीज़ नहीं पाई

नाइट : अच्छा, कर्नल ! लगता है कि तुम यातना देने में सचमुच अस्पताल वाला मजा लेने लगे हो ? (हँसता है।)

ह्वीलर : कुमारी माओ, क्या तुम मुझे यह न बताओगी वह कागज का टुकड़ा तुम्हें किसने दिया था ?

[वह माओ के शरीर में बिजली धारा दौड़ा देता है। माओ को चौकीदार पकड़ लेते हैं, वह चीख उठती है।]

विन्ह : कर्नल, वह सिर्फ मेरी नर्स है। मैंने उसे वह कागज का टुकड़ा दिया था। आप सुनते हैं ? मैंने उसे वह कागज का टुकड़ा दिया था !

ह्वीलर : बोलो, कुमारी माओ, वह कागज का टुकड़ा तुम्हें किसने दिया था ? (माओ चीखती है।) बस, तुम उस आदमी का नाम बता दो, जिसने वह कागज का टुकड़ा तुम्हें दिया था। (माओ चीखती और छटपटाती है।)

विन्ह : मैं आपके महान कवि वाल्ट ह्विटमैन के शब्दों में कहना चाहता हूं, आप में साहस हो तो सुनें !

'नव स्वतन्त्र !
पवित्र एशिया के प्रति जो सबकी मां है,
अब सावधानी से व्यवहार करो और अत्यधिक उन्मत्ता का अनुभव करो।
क्योंकि तुम सब कामरेड अमरीकी हो।
उस दूर की मां के प्रति, जो द्वीप-समूहों के ऊपर से
नये सन्देश भेज रही है, अपने गर्वीले शीश को नत करो
एक बार तो अपना शीश नत करो,
नव स्वतन्त्र !
क्या इतने दिनों तक बच्चे पश्चिम की ओर भटके थे ?
उनकी पग-ध्वनियां कितनी व्यापक थीं !
वे अब आज्ञाकारी बच्चों की तरह पूर्व की ओर चलेंगे
तुम्हारे लिए

स्वतंत्र !'

[माओ चीखकर बेहोश होती है।]

मेरा ख़याल है कि ह्विटमैन बडे ही अदूरदर्शी थे। उनकी जिन्दगी आवारों की जिन्दगी थी, शायद इसी कारण वे समय से पहले विजनी के स्वतंत्र अमरीका को न देख पाए !

ह्वीलर : तारों को अलग करो ! (नाइट तारों को छूता है और गुर्राता है) ऐसी जल्दी क्या है, कोलिन, मुझे स्विच उठाने दो।

विन्ह : ह्विटमैन रंचमात्र भी यह अनुमान न कर सकते थे कि सचमुच कैसा स्वतन्त्र अमरीका एशिया में पहुंचेगा ! वे एक ग़ैर-अमरीकी कवि थे ! शायद कम्युनिस्ट थे और पीकिङ के एजेन्ट थे !

[माओ के भीगे, बिखरे शरीर को किम की गोद में फेंक दिया जाता है। ह्वीलर विन्ह के पास आता है।]

ह्वीलर : आप कुछ कह रहे थे, डाक्टर, मुझे क्षमा करें, मैं सुन न पाया !

विन्ह : आपने वाल्त ह्विटमैन का नाम सुना है ?

[ह्वीलर उनके गले से कंटीले तार की फंसरी खोलकर हटाता है। डाक्टर के गले से खून बहता हुआ दिखायी देता है।]

ह्वीलर : गोकि मैं अभागे रसायनशास्त्र का विद्यार्थी रहा हूं···

विन्ह : हार्वर्ड विश्वविद्यालय के—

ह्वीलर : फिर भी ऐसा तो नहीं है कि मैंने साहित्य का अध्ययन किया ही नहीं है।

[चौकीदार विन्ह को पीठ के बल जमीन पर लिटा देते हैं।]

शायद आपको यह कहते मैंने सुना था कि आपने ही वह कागज का टुकड़ा कुमारी माओ को दिया था।

विन्ह : मैंने कहा तो था, लेकिन आपने कोई ध्यान ही नहीं दिया। आप तो एक महिला की छातियों के साथ व्यस्त थे।

ह्वीलर : (शिकार का छुरा निकालकर) आप ह्विटमैन की कौन-सी

कविता उतनी अच्छी तरह सुना रहे थे ?

विन्ह : "द्वादवे की शोभा"।

ह्वीलर : जो हो, आपने वह कागज कहां पाया ?

विन्ह : कर्नल, आपने ह्वितमैन का "लाल लकड़ी के वृक्ष का गीत" सुना है ? इस पर आप रोक लगवा दीजिए ! उसमें कम्युनिस्टो का प्रचार है !

ह्वीलर : आपको वह कागज कहा मिला ? (वह विन्ह के पेट के ऊपर छुरा उठाता है।)

विन्ह : मैं ह्वितमैन को सुनाता हूं। ह्वितमैन अमरीका से कहते हैं—
'हजारो वर्षों की उठान, जिससे तुम अभी तक वंचित रहे हो,
मैं देख रहा हूं वह निश्चित रूप से आने वाली है।
हम सबका, सामान्य प्रकार, जाति का उठान सम्पूर्ण होगा।
आखिर वह नया समाज, प्रकृति के अनुरूप···

[ह्वीलर उसके पेट में छुरा कुछ इंच घुसेड़ देता है।]

मैं देख रहा हूं—
व्यापक मानवता के लिए जमीन साफ हो रही है
सच्चा अमरीका, शानदार अतीत का उत्तराधिकारी
महान भविष्य का निर्माण करने वाला है।'

ह्वीलर आपको वह कागज कहां मिला ?

विन्ह : ये ह्वितमैन निश्चय ही हो ची मिन्ह के एजेण्ट थे, समझे ?

ह्वीलर : अमरीकी कविता से मैं ऊब चुका हूं। आप अपने देश की कुछ क्यों नहीं सुनाते ? मैं सभी-सभी युगो और सभी देशो की कविता का भक्त हूं। (उसके संकेत पर नाइट लपट फेंकने वाला यंत्र लाता है और विन्ह के चेहरे के पास खड़ा हो जाता है।)

विन्ह : वियतनाम के कवि जंगली हैं, कर्नल, अधिकतर कम्युनिस्ट हैं ! मैं उनकी कविताओं से आपको चोट पहुंचाने की कल्पना भी नहीं कर सकता ! लेकिन आप अगर जिद ही करें तो···

ह्वीलर : आपको वह कागज का टुकड़ा किसने दिया, ट्रंक ने ?

विन्ह : २ नवम्बर, १९६५, की शाम के साढ़े पांच बजे वियतनाम में अमरीका-द्वारा किये गये युद्ध-अपराधों के विरुद्ध अमरीकी नागरिक नारमन आर० मारिसन ने अपने कपड़ों में आग लगाकर आत्महत्या कर ली।

वियतनामी कवि तो हू मारिसन की ओर से युद्ध-अपराधियों से कहते हैं—

'जघन्य जानवरो !
किसके नाम पर तुम भेजते हो बमबारों को
नापम, जहरीले गैसों को
हत्या करते हो शान्ति और स्वतन्त्रता की
जलाते हो स्कूलों और अस्पतालों को
जानें लेते हो उनकी जो नहीं जानते प्रेम के सिवा और कुछ
हत्या करते हो कविता की, गीत की, संगीत और कला की ?'

[लपटें उनके चेहरे पर पड़ती हैं तो वे अर्द्ध-विक्षिप्त होकर कविता की अंतिम पंक्तियां चीखकर सुनाते हैं।]

ह्वीलर : बड़ी सुन्दर कविता है—माफ बातें हैं !

विन्ह : (लपटें फेंकनेवाला यंत्र बंद कर दिया जाता है। डाक्टर चौंधियाकर शांत स्वर में कहते हैं) हमारे देश के बच्चे उन्हें चाचा मारिसन कहते हैं। यह जरूरी था। हम अपने बच्चों को बताते रहते हैं कि जानसन, निक्सन और ह्वीलर अमरीका नहीं हैं। चाचा मारिसन ने हमारे बच्चों में विश्वास पैदा किया है कि अमरीका में भी मेहनतकश और कम्युनिस्ट है, कि पालराब्सन अमरीका है, कि लिंकन और ह्विटमैन अमरीका हैं।

ह्वीलर : अब विषय बदलने के लिए आप कागज के टुकड़े के विषय में बात करें।

विन्ह : हू लिखते हैं—

'मेरा देश वियतनाम विचित्र देश है
जहां बच्चे वीर हैं